वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 88 | सोमवार 22 जुलाई 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

मुख्यमंत्री का डीग-भरतपुर दौरा

गुरु पूजन कर प्रदेश की खुशहाली के लिए कामना की

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बड़ा हनुमान मंदिर एवं श्रीनाथ जी मंदिर में किए दर्शन। श्रीनाथ जी मंदिर में पंचामृत से किया अभिषेक, ''एक पेड़ मां के नाम'' अभियान के तहत किया वृक्षारोपण

जयपुर. कासं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को डीग के पूंछरी का लौठा में गुरु पूर्णिमा के अवसर पर श्रीनाथ जी मंदिर में पंचामृत से अभिषेक किया एवं पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली के लिए कामना की। उन्होंने मंदिर परिसर में संत-महात्माओं का गुरु पूजन कर आशीर्वाद भी लिया। शर्मा ने पूंछरी का लौठा स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा चलाए जा रहे ''एक पेड़ मां के नाम'' अभियान के तहत वृक्षारोपण किया एवं वहां मौजूद आमजन से अधिक से अधिक पेड़ लगाने की अपील भी की। इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने भरतपुर के सेवर में लुधावई स्थित बड़ा हनुमान मंदिर में दर्शन किए एवं सपरिवार महंत रामदास जी महाराज का सत्कार कर आशीर्वाद लिया। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निदेर्शानुसार गुरु पूर्णिमा के अवसर पर प्रदेशभर में 200 से अधिक संत-महात्माओं का भी गुरु वंदन किया गया। इस अवसर पर गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम, विधायक डॉ. शैलेश सिंह, बहादुर सिंह कोली, सुनौक्षम चौधरी सहित जनप्रतिनिधि एवं अधिकारीगण उपस्थित रहे।

संतों से मांगा जीवन की अंतिम सांस तक समाज सेवा का आशीर्वाद

गुरू जीवन की नैया को पार लगाने वाले, गुरू की महिमा सर्वोच्च: देवनानी

जयपुर. शाबाश इंडिया

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में आगे बढ़ने, सफल होने एवं शीर्ष पर पहुंचने के लिए गुरू का होना सबसे ज्यादा जरूरी है। गुरू ही जीवन की नैया का पार लगाने वाले हैं। प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में गुरू की महिमा सर्वोच्च है। उन्होंने संतों से जीवन की अंतिम सांस तक समाज सेवा का आशीर्वाद मांगा। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने रविवार को गुरू पूर्णिमा के अवसर पर विभिन्न मंदिरों, पीठ एवं धार्मिक स्थलों पर दर्शन कर संतों का आशीर्वाद लिया। देवनानी ने सलेमाबाद स्थित निम्बार्क पीठ में दर्शन कर श्रीजी महाराज, राजगढ़ धाम में दर्शन कर चम्पा लाल महाराज एवं अजमेर में रामद्वारा मंदिर पुरानी मंडी, अमरापुरा आश्रम जयपुर, अजमेर में गंज आश्रम, प्रेमप्रकाश आश्रम वैशाली नगर एवं मेंहदीपुर बालाजी मंदिर कोटडा में दर्शन कर आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों को संबोधित करते हुए देवनानी ने कहा कि सनातन संस्कृति में गुरू का विशेष महत्व है। यह गुरू ही हैं जो मनुष्य को उन्नति से परिचित करवाते है। गुरू ही जीवन की नाव को पार लगाते हैं। प्रत्येक मनुष्य को अपने गुरू को सर्वाधिक धन्यवाद देना चाहिए कि उन्होंने सदैव सकारात्मक रहकर सफलता का मार्ग प्रशस्त किया। इस अवसर पर संतों ने देवनानी को आशीर्वाद दिया और मानव कल्याण के लिए कार्य करते रहने की बात कही।

उपाध्याय ऊर्जयन्त सागर जी मुनिराज का वर्षायोग कलश स्थापना समारोह संपन्न

फागी वाला परिवार को मिला मुख्य मंगल कलश स्थापना का सौभाग्य

जयपुर. शाबाश इंडिया

प्रताप नगर सेक्टर 11 सामुदायिक केंद्र में उपाध्याय ऊर्जयन्त सागर जी महाराज का चातुर्मास मंगल कलश स्थापना समारोह का आयोजन बड़े हर्षोलास के साथ सम्पन्न हुआ। चतुर्मास समिति के धर्म चंद पराना के अनुसार आज प्रातः 9 बजे मंदिर प्रांगण में ध्वजारोहण का आयोजन सतेंद्र कुमार नीरू जैन महिमा जैन पंड्या परिवार द्वारा किया गया। इसके उपरांत भव्य शोभायात्रा के साथ पूज्य उपाध्याय श्री का मंगल पदार्पण सामुदायिक केंद्र सेक्टर 11 में हुआ, समिति के मुख्य संयोजक जिनेन्द्र गंगवाल जीतू ने बताया की मंगल कलश स्थापना समारोह का शुभारंभ चित्र अनावरण से हुआ ।चित्र अनावरण का सौभाग्य गिरीश कुमार मृदुला जैन को प्राप्त हुआ, इसके उपरांत हुकुम चंद हेमराज संजय ईसरदवालो द्वारा दीप प्रज्वलित किया गया। तदूपरान्त पाठशाला के बच्चो द्वारा मंगलाचरण प्रस्तुत किया गया, समिति संयोजक नन्द किशोर ने बताया कि इस अवसर पर बोली द्वारा मुख्य मंगल कलश स्थापनकर्ता परिवार का चयन किया गया, यह सौभाग्य माणक चंद कैलाश महावीर कुमार दोलत कुमार फागी वाला परिवार को प्राप्त हुआ।समारोह में उपाध्याय श्री के पाद प्रक्षालन का सौभाग्य मोहित नम्रता पूर्णिमा हैंडी क्राफ्ट वालो प्राप्त हुआ। पूज्य उपाध्याय श्री को शास्त्र भेट करने का सौभाग्य अशोक कुमार अतुल कुमार अंकित कुमार मंगल द्वारा किया गया। समिति के पिंटू पारली ने बताया कि समारोह में हजारों लोग उपस्थित थे। जिसमे संपूर्ण भारत से उपाध्याय श्री के भक्त पधारे, सायंकाल महा आरती के उपरांत गुरु पूर्णिमा महोत्सव का आयोजन हुआ जिसमें समाज की शांतिनाथ महिला मंडल, विशुद्ध वर्धिनी बहु कला मण्डल, धर्म जागृति महिला मंडल, शांतिनाथ युवा मंडल के सदस्यों सहित समाज के वरिष्ठजन उपस्थित रहे।

आर्यिका विमलप्रभा माताजी संघ का चातुर्मास कलश स्थापना समारोह संपन्न

शांतिनाथ महिला मंडल द्वारा अलौकिक प्रस्तुति

रामगंजमंडी. शाबाश इंडिया

पट्ट गणिनी आर्यिका 105 विमलप्रभा माताजी संघ का वर्षायोग श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर परिसर में भव्यता के साथ हुआ आयोजन की क्रम में श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन महिला मंडल की मंत्री विभा रावका, सांस्कृतिक मंत्री सोनिया बागड़िया के निर्देशन में गुरु मां संघ को भव्यता के साथ मंच तक लाया गया जो बहुत ही भव्य दृश्य परिलक्षित कर रहा था। इन्हीं के निर्देशन में बच्चे भी पीछे नहीं रहे एवं सोना बड़जात्या, सिद्ध जैन ने अपनी भक्ति का परिचय दिया इसी के साथ लेजिम नृत्य प्रस्तुति पूनम जैन, रुचिका जैन, रुचि जैन, स्वाति जैन, रजनी जैन अदिति काला ने गरबा की प्रस्तुति दी जो सभी का मन मोह गई। आयोजन के क्रम गणिनी आर्यिका 105 विजय मति माताजी के चित्र का अनावरण एवं दीप प्रज्वलन बाहर से पधारे हुए अतिथियों द्वारा किया गया।इसी के साथ शांतिनाथ दिगंबर जैन महिला मंडल द्वारा श्रीमती साधना पहाड़िया के निर्देशन में मंगलाचरण प्रस्तुत किया गया जो वातावरण को भक्तिमय बना गया। इस आयोजन में शांतिनाथ महिला मंडल अध्यक्ष शोभना सांवला ने अपना मार्गदर्शन प्रदान किया।सकल दिगंबर जैन समाज रामगंज मंडी की ओर से संरक्षक अजीत कुमार सेठी, अध्यक्ष दिलीप कुमार विनायका, उपाध्यक्ष चेतन बागड़िया, कमल लुहाड़िया कोषाध्यक्ष धर्मेंद्र लुहाड़िया महामंत्री राजकुमार गंगवाल के नेतृत्व में सकल दिगंबर जैन समाज रामगंज मंडी ने गुरु मां के चरणों में वर्षा योग रामगंजमंडी में करने हेतु निवेदन किया। इसी क्रम में गुरु मां के चरणों का पाद प्रक्षालन का सौभाग्य ताराचंद मनीष कुमार कटारिया को प्राप्त हुआ। एवं समस्त आर्यिका माताजी को शास्त्र भेंट करने का सौभाग्य भगवान स्वरूप नीरज कुमार जैन खानपुर वालो को प्राप्त हुआ। साथ ही समस्त माताजी संघ को वस्त्र भेट किए गणिनी गुरु मां को वस्त्र भेंट करने का सौभाग्य प्रेमलता कटारिया, शोभना सांवला को प्राप्त हुआ,आर्यिका 105 विजयप्रभा माताजी को ललिता विनायका, सुलोचना लुहाड़िया क्षुल्लिका विनीत प्रभा माताजी को संतरा सिंघल, अनिता विनायका, क्षुल्लिका 105 सुमित्रमति माताजी को सुनीता विनायका, अंजलि जैन को प्राप्त हुआ। इस अवसर पर गुरु मां द्वारा रचित विजयाअष्टक का विमोचन भी किया गया जो बाहर से पधारे हुए अतिथियों द्वारा किया गया। और गुरु मा ने इसकी रचना के विषय में भी बताया। भक्ति भाव के साथ गुरु पूर्णिमा पर्व होने के अवसर पर गुरु मां विजय मति माताजी का अष्ट द्रव्य से भक्ति नृत्य करते हुए पूजन किया गया पूजन सामग्री का कुशल प्रबंधन श्रीमती संगीता लुहाड़िया ने किया इस अवसर पर मुख्य कलश स्थापित करने का परम सौभाग्य माणकचन्द महेश कटारिया को प्राप्त हुआ, एवं चार कोनो के चार मुख्य कलश स्थापित किए गए जिनका सौभाग्य चेतन कुमार अतुल कुमार नागपुर, कस्तूरचंद भूपेंद्र कुमार सांवला,अजित कुमार राजेश कुमार सेठी, दिलीप कुमार विनायका परिवार को प्राप्त हुआ। समस्त कार्यक्रम का संचालन राजकुमार गंगवाल द्वारा किया गया।

-अभिषेक जैन लुहाड़िया
रामगंजमंडी की रिपोर्ट

चातुर्मास आत्म शुद्धि का महान पर्व: मुनि अर्चित सागर

जयपुर. शाबाश इंडिया। इतिहास की स्वर्णिम कड़ी मे एक सुखद कदम बढ़ाते हुए निरन्तरता के क्रम में आज बरकत नगर के णमोकार भवन में पन्द्रवा पुण्य वर्धक वर्षायोग 2024 की स्थापना बड़े ही भक्ति भाव व धर्मोल्लास के साथ षट रस त्यागी ' तपस्वी पूज्य मुनि श्री अर्चित सागर जी ने विधी विधान तथा मंत्रोचार के साथ मंगल कलश की स्थापना की। मंगल कलश के पुण्यार्जक प्रतिवषार्नु सार समाज श्रेष्ठी श्रीमती चेतना - चक्रेश कुमार जैन परिवार रहे। वर्षायोग धार्मिक व सांस्कृतिक संयोजक सतीश जैन अकेला ने बताया की समारोह में आज सर्वप्रथम मूल नायक भगवान चन्द्रप्रभ स्वामी के चित्र का अनावरण अजमेर . वांसवाड़ा सरवाड़ आदि से पधारे अतिथियो एवं जवाहर नगर मंदिर समिति के अध्यक्ष महेन्द्र जी बक्शी ने किया। दीप प्रज्जवलन मंदिर प्रवन्ध समिति के पदाधिकारियो ने कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। इस मांगलिक अवसर पर अरिहन्त महिला मंडल सदस्याओ ने नृत्यमय स्वागत गीत के साथ अपनी भावनाएँ व्यक्त की ।

वीर शासन जयंती-भगवान महावीर का प्रथम दिव्य देशना दिवस

जैन धर्म अनादि, अनंत, शास्वत धर्म है। जैन धर्म के वर्तमान अवसर्पिणी काल के प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ थे एवं अन्तिम 24वें तीर्थंकर वर्तमान शासन नायक भगवान महावीर है। भगवान महावीर का जन्म 599 ई. वर्ष पूर्व कुण्डाग्राम (कुण्डलपुर- वैशाली) वर्तमान बिहार राज्य में चैत्र शुक्ल त्रयोदशी के दिन हुआ था। इनके पिता का नाम राजा सिद्धार्थ एवं माता का नाम रानी त्रिशला (प्रियकारिणी) था। इनके बचपन का नाम वर्धमान था । इन्हे अल्प काल में ही समस्त विद्याएं स्वतः प्राप्त हो गई थी । बालक वर्धमान विद्वान होने के साथ साथ शूरता, वीरता, साहस आदि अनन्य गुणों के आश्रय थे। भगवान महावीर ने 30 वर्ष की आयु में मार्गशीर्ष कृष्णा दशमी के दिन गृह त्याग कर दिया था एवं मुनि दीक्षा गृहण कर ली थी । इसके पश्चात लगातार 12 वर्ष 5 माह एवं 15 दिन तक तप, संयम एवं साम्य भाव की साधना की और 557 ईसा पूर्व वैशाख शुक्ल दशमी को केवल ज्ञान प्राप्त हुआ। सामान्यतः तीर्थंकर के केवलज्ञान प्राप्ति के तत्काल पश्चातइन्द्र द्वारा समावशरण की रचना हो जाती है और गणधर की उपस्थिति में तीर्थंकर के सर्वांग से बिना किसी इच्छा या प्रयत्न के ओंकारमयी दिव्य ध्वनि खिरती है, स्वयं निसृत होती है। तीर्थंकर की ध्वनि में जगत के समस्त जीवों के लिए कल्याणकारी उपदेश होता है।

भगवान महावीर को केवल ज्ञान प्राप्त

होकर समवसरण की रचना हो चुकी थी, किन्तु दिव्यध्वनि नहीं खिर रही थी। भगवान महावीर के केवल ज्ञान प्राप्ति के बाद ऐसा विशिष्ट प्रसंग बना कि उनके कैवल्य प्राप्ति के समय कोई ऐसा सुयोग्य शिष्य उनके निकट नहीं था, जो कि गणधर का दायित्व निर्वहन कर सके। भगवान महावीर को केवल ज्ञान प्राप्त हुए 66 दिन व्यतीत हो गये, तभी सौधर्म इन्द्र ने समवसरण में गणधर का अभाव समझकर अपने अवधिज्ञान से गौतम को योग्य जाना। ''गौतम'' जो मगध देश में ब्राह्मण नाम के नगर में शांडिल्य नाम के ब्राह्मण की दो पत्नी थीं- स्थंडिला और केशरी स्थंडिला में से गौतम और गार्ग्य पुत्र थे तथा केशरी ने भार्गव को जन्म दिया। इन तीनों भाइयों के इन्द्रभूति, अग्निभूति एवं वायुभूति नाम प्रसिद्ध थे। इनमे से इंद्रभूति को इस योग्य जानकर उन्हे अपने तरीके से बुलाने के लिए वृद्ध का रूप बनाया और वहाँ गौतमशाला में पहुँचकर कहा कि मेरे गुरु इस समय ध्यान में होने से मौन हैं और आप को योग्य जानकर मैं आपके पास एक श्लोक का अर्थ समझने आया हूँ। इंद्रभूति को गौतम के नाम से ज्यादा जाना जाता है। गौतम ने विद्या के गर्व से गर्विष्ठ हो पूछा-यदि मैं इसका अर्थ बता दूँगा तो तुम क्या दोगे? तब वृद्ध ने कहा-यदि आप इसका अर्थ कर देंगे, तो मैं सब लोगों के सामने आपका शिष्य हो जाऊँगा और यदि आप अर्थ न बता सके तो इन सब विद्यार्थियों और अपने दोनों भाईयों के साथ आप मेरे गुरु के शिष्य बन जाना। महा अभिमानी गौतम ने यह शर्त मंजूर कर ली क्योंकि वह समझता था कि मेरे से अधिक विद्वान इस भूतल पर कोई है ही नहीं। तब वृद्ध ने वह काव्य पढ़ा। तब गौतम ने कुछ देर सोचकर कहा-ब्राह्मण! तू अपने गुरु के पास ही चल, वहीं मैं इसका अर्थ बताकर तेरे गुरु के साथ वाद-विवाद करूँगा। इन्द्र तो चाहता ही यह था। वह वृद्ध वेषधारी इन्द्र गौतम को समवसरण में ले आया। वहाँ मानस्तंभ को देखते ही गौतम का मान गलित हो गया। और उसे सम्यक्त्व प्रगट हो गया। गौतम ने अनेक स्तुति करते हुए भगवान के चरणों को नमस्कार किया तथा अपने पाँच सौ शिष्यों और दोनों भाईयों के साथ भगवान के पादमूल में जैनेश्वरी दीक्षा धारण कर ली। अन्तमुर्हूर्त में ही इन गौतम मुनि को सातों ऋद्धियाँ, अवधि और मनःपर्ययज्ञान प्रगट हो गया तथा वे तीर्थंकर महावीर स्वामी के प्रथम गणधर हो गये। उत्तर पुराण में लिखा है- तदनन्तर सौधर्मेन्द्र ने मेरी पूजा की और मैंने पाँच सौ ब्राह्मण पुत्रों के साथ श्री वर्धमान भगवान को नमस्कार कर संयम धारण किया। परिणामों की विशेष शुद्धि होने से मुझे उसी समय सात ऋद्धियाँ प्राप्त हो गई। तदनन्तर भट्टारक वर्धमान स्वामी के उपदेश से मुझे श्रावण वदी प्रतिपदा के दिन पूर्वान्ह काल में समस्त अंगों के अर्थ तथा पदों का भी स्पष्ट बोध हो गया। पुनः चार ज्ञान से सहित मैंने रात्रि के पूर्व भाग में अंगों की तथा रात्रि के पिछले भाग में पूर्वों की रचना की जिस दिन भगवान महावीर स्वामी को निर्वाण प्राप्त होगा, उसी दिन मैं केवलज्ञान प्राप्त करूंगा। इससे पूर्व गणधर के अभाव में भगवान महावीर की दिव्यध्वनि नहीं खिरी थी। इनके दीक्षा लेते ही प्रभु की दिव्यध्वनि खिरने लगी। उस दिन श्रावण कृष्णा प्रतिपदा थी प्रातःकाल गौतम स्वामी ने दीक्षा ली, प्रभु की दिव्यध्वनि खिरी। उसी दिन रात्रि में भगवान महावीर गौतम गणधर देव ने ग्यारह अंग-चौदह पूर्वों की रचना कर दी। आज से पच्चीस सौ अस्सी वर्ष पूर्व राजगृही के विपुलाचल पर्वत पर श्रावण कृष्णा प्रतिपदा के दिन भगवान महावीर स्वामी की प्रथम दिव्यध्वनि खिरी थी अतः यही पवित्र दिन वीर शासन जयंती पर्व के नाम से प्रसिद्धि को प्राप्त है, क्योंकि तब से लेकर आज तक भगवान महावीर का ही शासन चला आ रहा है । इसी दिन श्री गौतम स्वामी नाम से प्रसिद्ध भगवान के प्रथम गणधर ने द्वादशांग की रचना की थी अथवा ग्यारह अंग और चौदह पूर्वों की रचना की थी। इस दिन भगवान महावीर स्वामी की दिव्यध्वनि खिरी है वह सात सौ अठारह भाषारूप है अथवा सर्वभाषामयी है। उसी का स्पष्टीकरण- मृदु, मधुर, अति गंभीर और विषय को विशद करने वाली भाषाओं से एक योजनप्रमाण समवसरण सभा में स्थित तिर्यंच, देव और मनुष्यों के समूह को प्रतिबोधित करने वाले हैं, संज्ञी जीवों की अक्षर और अनक्षररूप अठारह महाभाषा और सात सौ छोटी भाषाओं में परिणत हुई और तालु, दन्त, ओठ तथा कण्ठ के हलन-चलन- रूप व्यापार से रहित होकर एक ही समय में भव्यजनों को आनन्द करने वाली भाषा (दिव्यध्वनि) के स्वामी भगवान महावीर हैं। षट्खण्डागम ग्रंथ की नवमी पुस्तक में श्री वीरसेन स्वामी ने लिखा है कि गणधर देवों के सातों ऋद्धियाँ होती हैं- गणधर देव बुद्धि, तप, विक्रिया, औषधि, रस, बल, अक्षीण, सुस्वरत्वादि तथा अवधि एवं मनःपर्यय ज्ञान से सहित हैं। आज जितना भी जैन वाङ्मय है, वह सब भगवान महावीर की दिव्यध्वनि का ही अंश है। यह श्रावण कृ. एकम तभी से वीरशासन जयंती के नाम से प्रसिद्ध है। जैन शास्त्रों में इसे युगादि दिवस भी माना गया है। यह धर्म तीर्थ उत्पत्ति का भी प्रथम दिन है अतः इसे प्रथम देशना दिवस के नाम से भी कहते हैं।

संकलन
भागचंद जैन मित्रपुरा
अध्यक्ष,अखिल भारतीय जैन बैंकर्स

कमला नगर डी ब्लॉक जैन मंदिर में मनाया गुरु पूर्णिमा महोत्सव, भक्तों को मिला मेडिटेशन गुरु का मंगल सानिध्य

आगरा. शाबाश इंडिया

समाधिस्थ राष्ट्रसंत गणाचार्य श्री विरागसागर जी महाराज के सुयोग्य शिष्य मेडिटेशन गुरु उपाध्यायश्री विहसन्तसागर जी महाराज ससंघ के मंगल सानिध्य में ग्रेटर कमलानगर जैन समाज के तत्वावधान में 21 जुलाई को प्रातः 8.00 बजे से गुरु पूर्णिमा महोत्सव बड़े ही उल्लासपूर्ण के साथ मनाया गयो जिसमें सर्वप्रथम सौभाग्यशाली भक्तों ने बाल ब्रह्मचारी राकेश भैया जी के कुशल निर्देशन में अतिश्यकारी भगवान महावीर स्वामी की प्रतिमा का अभिषेक एवं शांतिधारा संपन्न की इसी के साथ 14 जुलाई से आयोजित हो रहे अष्टानिका महापर्व के

पावन अवसर पर श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान में इंद्र-इंद्राणियों ने श्रीजी के समक्ष 2064 अर्घ्य समर्पित किऐ इसके बाद उपस्थित सभी भक्तों ने विश्व शांति की कामना कर हवन में आहुति देते हुए दस दिवसीय विधान का समापन क्रियोविधान के मध्य में ही गुरु पूर्णिमा महोत्सव के अवसर पर उपस्थित सभी भक्तों ने जल,चंदन, अक्षत, पुष्प, नेवेद्य, दीपक, धूप, फल की थाल सजाकर भक्तिमय नृत्य करते हुए उपाध्यायश्री विहसंतसागर जी महाराज का संगीतमय पूजन किया इस दौरान अर्पितमय में पावन वषायोग समिति के पदाधिकारीओं ने उपाध्याय श्री के चरणों का पाद प्रक्षालन किया, और शास्त्र भेंटकर मंगल आशीर्वाद प्राप्त किये उपाध्यायश्री विहसंत सागर जी महाराज ने धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि केवल गुरु के होने से ही संस्कृति चमकेगी, न ही केवल शिष्य के होने से,संस्कृति का महत्व तो गुरु और शिष्य के संयोग से ही बढ़ता है।

वेद ज्ञान

सफलताएं ताकत से नहीं

किसी ग्रामीण से किसी जिज्ञासु ने पूछा था, आपके गांव में कभी बड़ा आदमी पैदा हुआ? ग्रामीण सहजभाव से बोला, नहीं, हमारे यहां तो सब बच्चे ही पैदा होते हैं। ग्रामीण भाई जिज्ञासु व्यक्ति की भावना को सही रूप में समझ नहीं सका, यह दूसरी बात है, पर ग्रामीण के कथन से एक बात तो स्पष्ट हो जाती है कि किसी भी गांव या शहर में किसी भी समय कोई महापुरुष पैदा नहीं होता। कोई कितना ही बड़ा आदमी क्यों न हो, जन्म के समय तो वह बच्चा ही होता है। जिस प्रकार एक बीज में वृक्ष बनने की क्षमता होती है। बीज को उर्वर धरती, वर्षा, धूप, हवा आदि सहायक सामग्री की अपेक्षा रहती है, वैसे ही सपनों को, लक्ष्यों को और सफलताओं को आकार देने के लिए उपयुक्त वातावरण, उचित संरक्षण, दिल में उत्साह, परिश्रम और अच्छी शिक्षा-दीक्षा की आवश्यकता रहती है। सपनों और संकल्पों को मंजिल तक पहुंचाने के लिए सकारात्मक सोच जरूरी है। इसके लिए जीवन में खुशी और प्रसन्नता आवश्यक है। चिंता या शंका का जीवन बिताने से हमारे स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है, मन में संदेह और निराशा की भावना आ जाती है और हम अपने सपनों और संकल्पों को साकार करने में नाकाम हो जाते हैं। जब हम अपने दैनिक दिन जीवन को खुशनुमा बनाते हैं तो अपने सपनों और जीवन के बारे में भी हमारा नजरिया बदल जाता है। वह आशावादी होता है, कदम आगे बढ़ाने के लिए उसमें आत्मविश्वास आ जाता है। ज्यादातर सफल लोग बहुत अधिक कुशाग्र बुद्धि वाले नहीं होते। वे हमारे आपके जैसे साधारण लोग होते हैं, लेकिन उनमें अलग ढंग से सोचने और कुछ करने का जज्बा होता है। पहला कदम आगे बढ़ाने की हिम्मत होती है। उसके बाद दूसरा कदम उठाने का जोश होता है और उसके बाद तीसरा कदम चलने की लगन होती है। सफलताएं ताकत से नहीं लगन से ही हासिल की जाती हैं और इसमें मूल्यों का बहुत बड़ा योगदान होता है। ऐसा इसलिए, क्योंकि मूल्यों को जब हम अपने कार्यों में शामिल करते हैं तो यह हमारे चरित्र का रूप ले लेता है। कोई भी मनुष्य हर मूल्य का सही मायने में अमल नहीं कर सकता है। इसलिए कोई भी संपूर्ण मनुष्य नहीं बन पाता। इसका सबसे सरल उपाय है कि हम स्वयं के प्रति जागरूक बनें।

संपादकीय

तकनीकी संसाधनों पर बढ़ती निर्भरता...

तकनीकी संसाधनों पर निर्भरता बढ़ते जाने से व्यवसाय-वाणिज्य, निजी और दफ्तरी कामकाज में तेजी तो आई है, मगर इसमें एक खराबी किस कदर दुनिया की सारी रफ्तार रोक देती है, इसका ताजा उदाहरण माइक्रोसाफ्ट के नए साफ्टवेयर में आई गड़बड़ी है। माइक्रोसाफ्ट के सर्वर में गड़बड़ी आने से दुनिया भर के दफ्तरों में कामकाज लगभग ठप्प हो गया, रफ्तार थम गई। विभिन्न देशों में चौदह सौ से ऊपर हवाई सेवाएं रद्द करनी पड़ीं

और हजारों हवाई जहाज देरी से उड़ पाए। टेलीविजन प्रसारण, बैंक सेवाओं, शेयर बाजार के कामकाज बुरी तरह प्रभावित हुए। हालांकि माइक्रोसाफ्ट के इंजीनियर इस गड़बड़ी को सुधारने में जुट गए, मगर इतने भर से दुनिया भर में अरबों रुपए का कारोबार प्रभावित हो गया। दरअसल, माइक्रोसाफ्ट ने एक नया साफ्टवेयर तैयार किया है, जिससे उपभोक्ताओं को तेज, सुविधाजनक और सुरक्षित सेवा देने का दावा किया गया था। यह साफ्टवेयर क्लाउड सेवा से जुड़ा हुआ है। उसमें क्राउड स्ट्राइक नामक साइबर सेंधमारी से सुरक्षा प्रदान करने वाले ह्यएंटीवायरसह्न को अद्यतन किया गया, तभी से गड़बड़ी शुरू हो गई। कंप्यूटर अपने आप बंद और चालू होने लगे। इससे माइक्रोसाफ्ट कंपनी की साख पर सवाल उठने शुरू हो गए हैं। हालांकि कुछ महीने पहले एलन मस्क ने भी माइक्रोसाफ्ट के 'एज' नामक नए साफ्टवेयर की व्यावहारिकता पर सवाल उठाया था। उन्होंने एक्स पर लिखा था कि यह साफ्टवेयर अव्यावहारिक है, जो कई कंप्यूटरों से एक साथ जुड़ जाता है और इस तरह इसकी सुरक्षा विश्वसनीय नहीं रह जाती। मगर तब माइक्रोसाफ्ट की तरफ से जवाब में कहा गया था कि यह साफ्टवेयर उपभोक्ता को कहीं भी बैठ कर आसानी से काम करने की सुविधा देता है। इसमें सेंधमारी का खतरा नहीं रहता। अब फिर से इस साफ्टवेयर की विश्वसनीयता संदिग्ध हो गई है। फिलहाल यह दावा करना मुश्किल है कि किसी साइबर अपराधी ने ऐसी गड़बड़ी पैदा की, पर ऐसी हरकत से इनकार नहीं किया जा सकता। जैसे-जैसे इलेक्ट्रानिक उपकरणों पर लोगों की निर्भरता बढ़ती गई है, वैसे-वैसे इसके खतरे भी बढ़ते गए हैं। साइबर सेंधमार लोगों के बैंक खातों, दफ्तरों के दस्तावेजों, कंपनियों के लेखा-जोखा वगैरह में सेंधमारी करने लगे हैं। हर इलेक्ट्रानिक उपकरण निर्माता कंपनी साइबर सेंधमारी रोकने के लिए वायरसरोधी उपाय करती है। जो कंपनी इसमें पिछड़ जाती है, वह बाजार में भी पिछड़ जाती है। माइक्रोसाफ्ट ने भी इसी समस्या से बचाने के लिए नई तकनीक ईजाद करने का दावा किया था। हर नई तकनीक में प्रायोगिक स्तर पर कुछ न कुछ अड़चन आती है। मगर जब कोई भरोसेमंद कंपनी अपने किसी उत्पाद को बड़े पैमाने पर बाजार में उतारती है, तो पहले यह सुनिश्चित कर लेती है कि वह पूरी तरह कारगर है। न जाने कैसे माइक्रोसाफ्ट से यह चूक हो गई कि इस साफ्टवेयर को लेकर आ रही शिकायतों को नजरअंदाज करते हुए इसे बाजार में चलाए रखा। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

सर्पदंश से सबसे ज्यादा मौतें भारत में

बरसात के मौसम में जलभराव और उमस भरी गर्मी की वजह से सांप अपने बिल से बाहर निकलकर सुरक्षित ठिकाने ढूंढने लगते हैं और इस कारण सर्पदंश की घटनाएं भी बढ़ जाती हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक, दुनिया भर में हर साल लगभग पैंतालीस से चौवन लाख लोग सर्पदंश का शिकार होते हैं, जिनमें से करीब एक लाख अड़तीस हजार लोगों की मौत हो जाती है। सर्पदंश के अधिकांश मामले अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका में सामने आते हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के आंकड़ों से पता चलता है कि भारत में सालाना तीस से चालीस लाख सर्पदंश की घटनाएं होती हैं, जिनमें से करीब पचास हजार लोगों की मौत हो जाती है। विशेषज्ञों के मुताबिक, भारत में पाए जाने वाले सत्तर फीसद सांप या तो जहरीले नहीं होते हैं, या फिर उनका विष मनुष्य के शरीर को गंभीर नुकसान नहीं पहुंचाता है। इसके बावजूद विश्व स्वास्थ्य संगठन का दावा है कि सर्पदंश से वैश्विक स्तर पर हर वर्ष होने वाली मौतों में से करीब चालीस फीसद भारत में होती हैं। जाहिर है कि भारत में सामाजिक और सरकारी स्तर पर जागरूकता का अभाव और व्यवस्थागत खामियां व्याप्त हैं। खासकर ग्रामीण इलाकों में आज भी सर्पदंश से पीड़ित को तत्काल अस्पताल ले जाने के बजाय झाड़-फूंक के लिए ओझा के पास ले जाने की घटनाएं आम हैं। बाद में जब पीड़ित को अस्पताल ले जाया जाता है, तब तक इलाज में देरी हो जाती है। यह भी देखा गया है कि सर्पदंश के बाद पीड़ित व्यक्ति बहुत ज्यादा घबरा जाता है और कई बार हृदयाघात से उसकी मौत हो जाती है। यों आस्ट्रेलिया के सिडनी विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने सर्पदंश के इलाज के लिए एक नई कारगर दवा बनाने का दावा कर दुनिया में एक नई उम्मीद जगाई है। शोधकर्ताओं का कहना है कि यह दवा न केवल मनुष्य के शरीर में सांप के जहर के फैलने की गति को

धीमा कर सकती है, बल्कि यह ऊतक एवं कोशिका के क्षय को रोकने में भी सक्षम है। मगर अपने देश के सरकारी अस्पतालों में सर्प विष-रोधी दवा की कमी से संबंधित खबरें अक्सर आती रहती हैं। ऐसी स्थिति में मरीज को समय पर दवा नहीं मिलने से उसकी मौत स्वाभाविक है। सरकार को इस ओर भी ध्यान देने की जरूरत है।

आओ अपना फर्ज निभाएं, प्रकृति का कुछ कर्ज चुकाएं

कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया

मेरा वृक्ष मेरा परिवार एक पौधा मां के नाम वृक्ष धरती का श्रृंगार आवो अपना फर्ज निभाए प्रकृति का कुछ कर्ज चुकाए के उद्देश्य से 21 जुलाई को गुरू पुर्णिमा महोत्सव व चतुर्मास स्थापना दिवस पर महावीर इंटरनेशनल संस्था हरित भारत पर्यावरण संरक्षण हेतु शाकम्भरी माताजी मन्दिर गेट से पहाडी तक पूर्व लगाए गए व कुचामन कोर्ट के बहार लगाए गए पोधो की सार सभाल कर पर्यावरण प्रेमी वीर रतनलाल मेघवाल के सानिध्य 6 पौधे पीपल नीम आक्सीजन प्रदाता का वृक्षारोपण अध्यक्ष वीर रामावतार गोयल, कोषाध्यक्ष वीर सुरेश कुमार जैन, महेश लढा ने सहयोग।

रवि नैय्यर के जन्म दिवस पर रक्तदान शिविर आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया

भाजपा विधायक प्रत्याशी आदर्श नगर व प्रदेश संयोजक व्यापार प्रकोष्ठ रवि नैय्यर के जन्म दिवस के उपलक्ष में दिनांक 21 जुलाई 2024 को थैलेसीमिया से पीड़ित बच्चों हेतु विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर के अंतर्गत आर्य समाज मंदिर राजा पार्क में ह्यूमन ग्लोरी फाउंडेशन के अध्यक्ष व भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ आदर्श नगर विधानसभा संयोजक प्रमोद जैन भँवर ने स्वयं रक्तदान कर लोगों को अधिक से अधिक रक्तदान करने हेतु प्रेरित किया। वह रक्तदान महादान है का संदेश सभी को दिया। इस अवसर पर जयपुर शहर व्यापार प्रकोष्ठ सहसंयोजक मुरलीधर खत्री व समाजसेविका मनीषा जैन सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

झंडारोहन के साथ चातुर्मास के मंगल कलश स्थापित, प्रदेश भर से सम्मिलित हुए श्रदालु

टोंक. शाबाश इंडिया

परम पूज्य 108 आचार्य इंद्रनंदी जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य बालाचार्य 108 निपूर्णनंदी जी महाराज ससंघ का चातुर्मास के रजत कलशो की स्थापना रिद्धि सिद्धि मंत्रो के साथ श्री दिगंबर जैन नसिया अमीरगंज टोंक में स्थापित किए गए। समाज के मीडिया प्रकोष्ठ मंत्री एवं प्रवक्ता पवन कंटान एवं कमल सर्राफ ने बताया कि शनिवार को प्रातःकाल अभिषेक, शांतिधारा, के पश्चात नसिया प्रागण मे झंडारोहन किया जिसका सोभाग्य केलाश चद भागचंद अंशुल कुमार संघी ने किया दोपहर 1बजे आचार्य संघ को निमंत्रण किया ससंघ मंच पर विराजमान होने के बाद कार्यक्रम की विधिवत शुरूआत मंगलाचरण आदिनाथ महीला मंडल द्वारा किया गया। चित्र अनावरण, दीपप्रज्ज्वन प्रदेश भर से आए अतिथियों द्वारा किया गया वर्षायोग की प्रस्तावना, चातुर्मास हेतु अचार्य संघ को सकल समाज और कमेटी द्वारा श्रीफल भक्ती श्रध्दा पूर्वक भेट किया गया अचार्य संघ द्वारा वर्षायोग की स्वीकृती, तत्पश्चात अतिथि सत्कार और सम्मान किया गया बालाचार्य श्री का पूजन किया गया मंगल कलश स्थापना की गई जिसमें अरिहंत कलश महावीर प्रसाद

धर्मेंद्रकुमार सोनू कुमार पासरोटियां, सिद्ध कलश महावीरप्रसाद धर्मचंद सुमित कुमार दाखिया, आचार्य कलश त्रिलोकचंद ज्ञानचंद राजेश कुमार अशोककुमार पुनीत जैन बोरदा, उपाध्याय कलश पारसमल गंभीरमल, जितेंद्रकुमार , एस पप्पु नमक वाले, सर्व साधु कलश टीकमचंद श्याम लाल, लालचंद,

आशु कुमार फूलेता, जाप्य कलश सौरभ कुमार टोनी कुमार जंबू कुमार आड़रा, अखण्डज्योति बाबूलाल शंभू कुमार पदम चंद अनिल कंटान को मिला तत्पशत पादपक्षालन, शास्त्रभेंट, संघ के उद्बोधन के पश्चात स्वर्ण एवं रजत कलशो की स्थापना रिद्धि सिद्धि मंत्रो के साथ श्रेष्टि परिवारों के द्वारा स्थापना की गई चातुर्मास वर्षायोग व्यवस्था समिति के अध्यक्ष धर्मचंद दाखिया एवं मंत्री धर्मेंद्र जैन पासरोटियां ने बताया कि कलश स्थापना में प्रदेश भर से लोग सम्मलित हुए समाज के अध्यक्ष भागचंद फूलेता एवं राजेश सर्राफ रविवार को प्रातः काल बालाचार्य निपूर्ण नन्दी जी महाराज के साथ गुरु पूर्णिमा महोत्सव बड़े धूमधाम से मनाया गया महाराज जी ने अपने प्रवचनों में कहा की जिसके जीवन में गुरु नहीं उसका जीवन शुरू नहीं अपने जीवन में छोटे-छोटे नियम लेकर हम अपने जीवन का कल्याण कर सकते हैं सिद्ध चक्र महामंडल विधान में 1024 अर्घ समर्पित किए गए सोमवार को इस विधान की पूर्णाआहुति होगी जिसके अंदर विश्व शांति के लिए हवन किया जाएगा इस मौके पर नेमीचंद बनेठा सुरेंद्र अजमेरा प्रदीप नगर अनिल चैनपुरा वाले पन्नालाल जुनिया नंदलाल संगी धर्मचंद आंडरा रमेश काला कमलेश कली वाले आदि लोग मौजूद थे।

फेडरेशन स्थापना दिवस पर मानव सेवार्थ पखवाड़ा

मैत्री ग्रुप ने स्कूल युनिफोर्म, स्टेशनरी, फल, मिठाई वितरण किए

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के स्थापना दिवस पर दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप मैत्री द्वारा मानव सेवार्थ पखवाड़े के अन्तर्गत आज मैत्री ग्रुप द्वारा आश्रय केयर गर्लस होम की छात्राओं को स्कूल युनिफोर्म, स्टेशनरी, फल , मिठाई और अन्य आवश्यक सामग्री का वितरण किया ।इस क्रार्यक्रम में ग्रुप के अध्यक्ष सुनील मोनिका, सचिव अजय शशि रानी जैन, संयुक्त सचिव सुनील अर्पिता, कोषाध्यक्ष रविन्द्र अलका, खेल सचिव रितेश रीना और ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित रहे और मानव सेवार्थ पखवाड़े के कार्यक्रम के अंतर्गत यह कार्यक्रम आयोजित किया।

गुरु का सम्मान किया और वृक्षारोपण कर मनाई गुरु पूर्णिमा

लायंस क्लब सेंट्रल का एक पेड़ मां के नाम तथा सेवा और संस्कार कार्यक्रम

आजाद शेरवानी. शाबाश इंडिया

कोटा। लायंस क्लब कोटा सेंट्रल ने गुरु पूर्णिमा के शुभ अवसर पर वरिष्ठ गुरु का सम्मान किया और वृक्षारोपण किया। अध्यक्ष मधु ललित बाहेती और सेक्रेटरी राधा खुवाल ने बताया कि डिस्ट्रिक्ट के सेवा और संस्कार कार्यक्रम के अंतर्गत आज गुरु पूर्णिमा के शुभ दिन गवर्नमेंट कालेज कोटा के केमिस्ट्री के रिटायर्ड 91 वर्षीय प्रोफेसर के.जी.सिंह के निवास पर जाकर उन्हें शॉल, पगड़ी व माला पहना कर सम्मानित किया और क्लब सदस्यों ने उनके साथ कुछ अनुभव साझा किए और गुरु पूर्णिमा पर वरिष्ठ गुरु से आशीर्वाद लिया। इस शुभ दिन पर एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत क्लब के वृक्षारोपण के तीसरे चरण में पटेल पार्क, वल्लभनगर में नीम, शीशम, गुलमोहर, शमी एवं गुड़हल के 30 पौधे लगाये गये। इस अवसर पर रीजन चेयरमैन लायन दिनेश खुवाल, लायन ललित बाहेती, लायन केलाश सेठिया, लायन शील बिरला, लायन भगवती सेठिया, लायन प्रदीप सिंह गौड, लायन नीता सिंह गौड, लायन प्रकाश तापडिया एवं गौरांगी सिंह इत्यादि उपस्थित रहे।

गुरु पूर्णिमा के उपलक्ष में विशेष शांति धारा अभिषेक माताजी के सानिध्य में

नौगामा. शाबाश इंडिया

परम पूज्य पवित्रमति माताजी गरिमा मति माताजी करण माताजी के सानिध्य में गुरु पूर्णिमा के उपलक्ष में 1008 आदिनाथ मंदिर में विशेष शांति धारा अभिषेक किया गया साथ ही 1008 भगवान महावीर समवशरण मंदिर की सुखोदय तीर्थ नसिया भी विशेष शांति धारा अभिषेक किया गया, अभिषेक करने का प्रथम सौभाग्य गांधी अमित कुमार अरविंद, पंचोरी गीतांश विपुल नानावटी सुभाष चंद्र पन्नालाल मेहता अभिषेक हीरालाल जी बागीदौरा, को प्राप्त हुआ इस अवसर माताजी ने अपने प्रवचन में कहा कि गुरु की महिमा बड़ी अपरंपार है गुरु बिना ज्ञान संभव नहीं है आज उन गुरुओं को प्रणाम है जिन्होंने हमें धर्म कार्य सद कार्य करने के संस्कार दिए आज गुरु और शिष्य का दिन है इस अवसर पर माताजी ने अपने प्रवचन में कहा कि अपने धन का सदुपयोग करना चाहिए धन का उपयोग दान पुण्य सद कार्य मैं करे माताजी ने कहा कि दिनांक 22 जुलाई को नौगामा नगर का अहो भाग्य है कि यहां चातुर्मास का लाभ मिल रहा है हमें चातुर्मास में धर्म सभा का लाभ लेना है उन्होंने कहा कि इस नौगामा नगर के कहीं पुण्यशाली जीव है जिन्होंने यहा विशालतम जिनालय बनाए हैं उनमें विराजमान जिन बिम्बो मे अतिशय है कि नगर के लोग सुखी व समृद्धि शाली है है चातुर्मास का मंगल भव्य मंगल प्रवेश अदितिय रहा इस प्रकार से चातुर्मास भी मंगलमय हो ऐसा मेरा आशीर्वाद है इस अवसर पर चातुर्मास कमेटी के अध्यक्ष निलेश जैन ने बताया कि मुख्य पांच कलश आदिनाथ, नेमिनाथ, गुरुवार ज्ञान सागर ,समय सागर, विवेक सागर ,के नाम से पांच कलश होंगे इस हेतु व्यापक तैयारियां की गई है पंडाल को एवं आदिनाथ मंदिर परिसर को विशेष रूप से सजाया गया है एवं 51 कलश और होंगे प्रातः आदिनाथ विधान होगा दोपहर में 1:00 बजे से चातुर्मास स्थापना का कार्यक्रम विधानाचार्य प्रदीप भैया एवं नमन भैया, विधानाचार्य रमेश चंद्र गांधी के दिशा निर्देशन में होगा कार्यक्रम में अन्य राज्यों से भी धर्म प्रेमी बंधुओ का आगमन होगा कार्यक्रम में पधारे हुए सभी धर्म प्रेमी बंधुओ के लिए वात्सल्य भोज की व्यवस्था रखी गई है वात्सल्य भोज के पुनार्जक गांधी प्रीतेश तेजमल जी है एवं कार्यक्रम के ध्वजा रोहण करता वर्धमान हॉस्पिटल बांसवाड़ा द्वारा किया जाएगा कुमार उक्त जानकारी जैन समाज प्रवक्ता सुरेश चंद्र गांधी द्वारा दी गई।

जैन मिलन परिवार राघौगढ़ द्वारा संत सुधा सागर धाम पर पौधारोपण किया गया

राघौगढ़. शाबाश इंडिया। गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व के अवसर पर जैन मिलन राघौगढ़ की स्थापना के 31 वर्ष पूर्ण होने पर संत सुधा सागर धाम स्थित उद्यान में 62 पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय जैन मिलन के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष विजय कुमार जैन थे। जिन पौधों का रोपण किया गया है उनमें लगभग सभी फलदार हैं आम, अमरूद, नींबू ,नीम, जामुन, संतरा आदि के पौधों का रोपण किया गया । जैन मिलन परिवार राघौगढ़ द्वारा गत वर्ष संत सुधा सागर धाम पर 31 पौधों का रोपण किया गया था। उचित देखभाल एवं रखरखाव से वे सभी पौधे लगभग चार से पांच फीट लंबे हो गए हैं। यहां जैन समाज राघौगढ़ द्वारा उधान की उचित देखभाल के लिये बागवान पदस्थ है ।पौधों की सुरक्षा के लिए ट्री गार्ड भी लगाए गए हैं। इस अवसर पर जैन मिलन के अध्यक्ष जितेंद्र कुमार जैन, कार्यकारी अध्यक्ष दिलीप कुमार जैन, मंत्री विकास कुमार जैन, कोषाध्यक्ष रूपेश कुमार चौधरी ,प्रचार मंत्री राजीव कुमार जैन, पूर्व अध्यक्ष विनय कुमार जैन, आलोक रावत, अनिल कुमार जैन बलियत, क्षेत्रीय कार्यकारिणी सदस्य रविंद्र कुमार जैन शिक्षक, युवा जैन मिलन के उपाध्यक्ष राजा चौधरी, कोषाध्यक्ष संजय जैन रिशु, सह मंत्री विपिन जैन विक्की, सार्थक जैन, योगेंद्र भारिल्य, राहुल जैन, प्रमोद जैन गुल्लू ,रितेश जैन, सोमिल जैन, महिला जैन मिलन की मंत्री सुषमा जैन बासु, कोषाध्यक्ष कुशल देवी जैन, संरक्षिका विजय देवी जैन, सुमन जैन, नेहा जैन, सुशीला जैन, अंजू जैन, दीपाली जैन आदि उपस्थित थे। पौधारोपण उपरांत जैन मिलन द्वारा स्वल्पाहार का भी आयोजन किया। सभी का आभार जैन मिलन के मंत्री विकास कुमार जैन ने व्यक्त किया।

आओ मिलकर वृक्ष लगाएं, हरा-भरा राजस्थान बनाएं...

जयपुर. शाबाश इंडिया। आज हिंगोलिया गौशाला में पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन की दिशा में ''एक पेड़ मां के नाम'' अभियान का शुभारंभ किया।

अष्टानिका महापर्व का समापन

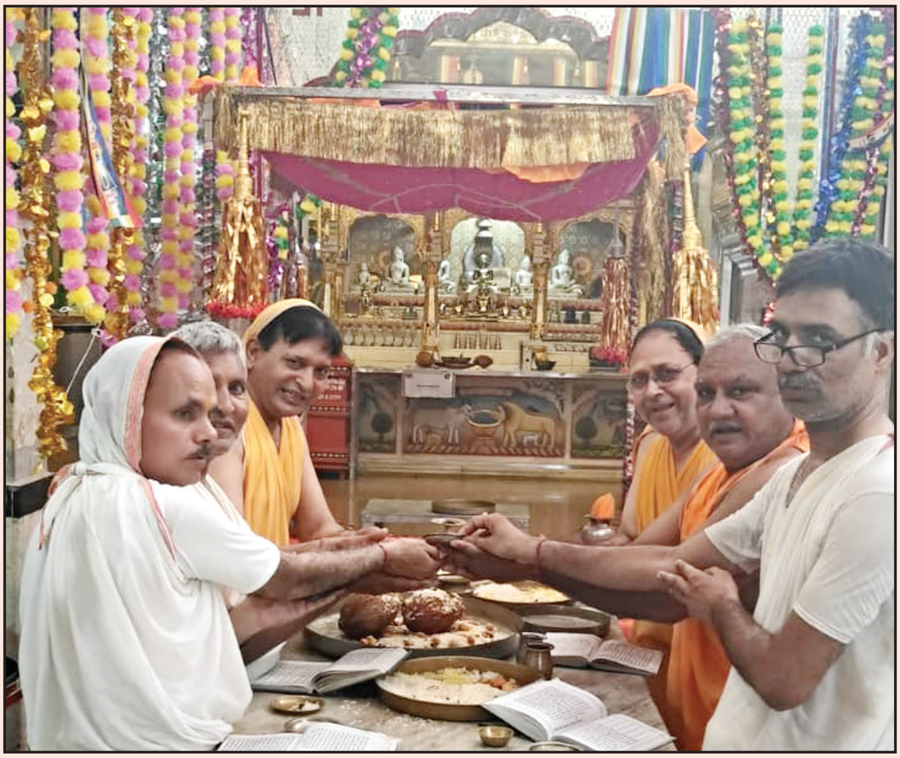

भगवान चंद्र प्रभु की वृहद शांति धारा की गई, गुरु पूर्णिमा मनाई गई

टोंक. शाबाश इंडिया

श्री चंद्र प्रभु दिगंबर जैन मंदिर तेरापंथियान पुरानी टोंक में विगत 8 दिनों से चल रहे अष्टानिका महापर्व की पूजा का समापन रविवार को हुआ। मंदिर समिति के अध्यक्ष देवराज काला ने बताया कि 14 जुलाई से अष्टानिका महापर्व के तहत मंदिर में सिद्ध चक्र महामंडल विधान की पूजा की जा रही है जिसके अंतर्गत प्रतिदिन सिद्धों की आराधना कर अर्घ्य एवं श्रीफल समर्पित किए गए। रविवार को अष्टानिका महापर्व के समापन अवसर पर प्रातःकाल भगवान चंद्र प्रभु की वृहद शांतिधारा की गई भगवान चंद्र प्रभु का अभिषेक एवं स्वर्ण कलशो से वृहद शांतिधारा की गई शांति धारा से प्राप्त गंदोधक को श्रद्धालुओं ने अपने मस्तक पर लगाकर श्री जी से आशीर्वाद प्राप्त किया अष्टानिका महापर्व के समापन अवसर पर रविवार को भगवान के जयकारों के साथ उपस्थित श्रद्धालुओं द्वारा 1056 अर्घ्य श्री जी के चरणों में समर्पित किए गए इस अवसर पर देवराज काला चेतन बिलासपुरिया नवीन जैन राजेश अरिहंत पारस सोनी अशोक कमल शिखर कस्तूर देवी आशा कविता इंदिरा चंद्रकांता प्रेमलता सुमन स्नेहलता मधु आदि मौजूद थे । मंदिर समिति के मंत्री चेतन बिलासपुरिया ने बताया कि रविवार को गुरु पूर्णिमा के अवसर पर परम पूज्य आचार्य गुरुवर 108 विद्यासागर महाराज एवं आचार्य गुरुवर विराग सागर महाराज की पूजा कर अर्घ्य एवं श्री फल समर्पित कर गुरुओं का आशीर्वाद प्राप्त किया मुनि सुधा सागर महाराज के चरणों में भी अर्घ्य चढ़ाकर आशीर्वाद प्राप्त किया गया। इधर श्री चंद्र प्रभु दिगंबर जैन नसिया तेरापंथियान चतुर्भुज तालाब के पास पुरानी टोंक में भी भगवान चंद्र प्रभु का अभिषेक एवं शांति धारा कर गुरुओं को नमोस्तु करते हुए अर्घ्य एवं श्रीफल समर्पित किए गए।

''गुरु साक्षात परब्रह्म''

भारतीय संस्कृति में गुरु का विशेष महत्व हैं। गुरु को ईश्वर से बढ़कर माना गया हैं। भारत उत्सवों, पर्वो, परम्परा का देश हैं। ये पर्व यहां की सांस्कृतिक और सामाजिक विविधताओं में समरसता घोलकर न केवल मनुष्य को जीवन शक्ति प्रदान करते हैं, वरन राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये भारतीय संस्कृति के संवाहक हैं। ये पर्व क्षणिक उल्लास के नहीं, पूरे जीवन को उल्लसित करने के साधन बन गए। इनसे प्रस्फुटित होने वाली आनंद की अजस्त्र धारा तन-मन को आप्लावित कर जीवन को चिरंजीवी बना देती हैं। संस्कृत में गुरु शब्द की व्याख्या इस प्रकार की गई हैं- गु= (अज्ञान) अंधकार से हटाकर रू= (प्रकाश) ज्ञान की और ले जाने वाले अर्थात गुरु देव। गुरु पूर्णिमा पर्व गुरु और शिष्य के पावन सम्बन्धों का प्रतीक है। इस दिन शिष्य अपने गुरु के प्रति कृतज्ञता प्रकट करते हैं। शिष्य गुरु के ज्ञान और मार्गदर्शन के लिए उनका सम्मान करते हैं। महान गुरु वेदव्यासजी की जयंती पर गुरु पूर्णिमा का पर्व मनाया जाता हैं। इसी दिन भगवान शिव द्वारा अपने शिष्यों को ज्ञान दिया था। इस पर्व को बोद्ध, सिक्ख और जैन धर्मोंलम्बी भी मनाते हैं। प्राचीन धर्मग्रथों में गुरु को ब्रह्मा, विष्णु और महेश की संज्ञा दी गई हैं। व्यक्ति अपने गुरु का ऋण कभी नहीं चुका सकता हैं। हमें अपने जीवन में किसी से भी कुछ भी सिखने को मिलता हैं तो वो व्यक्ति हमारा गुरु हैं। शास्त्रों में बड़े भाई-बहन और माता-पिता को भी गुरु की उपाधि दी गई हैं, जिनसे हम कुछ न कुछ शिक्षा ग्रहण करके सिखते हैं। हर वो व्यक्ति जो हमें अच्छा करने और कुछ सिखने के लिए प्रेरित करता है। वो व्यक्ति हमारा गुरु हैं। सभी गुरुओं को मेरा सादर नमन। प्रकाशन हेतु सादर प्रस्तुत।

स्वतंत्रत लेखकः आदित्य जैन, नीमच

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

गुलाबीनगर द्वारा छात्रावास में जैन छात्रों को भोजन का कार्यक्रम

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के स्थापना दिवस के उपलक्ष में आयोजित दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन जयपुर के मानव सेवार्थ पखवाड़ा के अंतर्गत दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप गुलाबीनगर द्वारा रविवार दिनांक 21 जुलाई 2024 को श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर के अंतर्गत संत श्री सुधासागर आवासीय महाविद्यालय में 200 छात्रों को भोजन कराया। आज के प्रोग्राम में ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष अनिल शशि जैन, संरक्षक सुरेन्द्र पांड्या, अध्यक्षा सुशीला विनोद बड़जात्या, सचिव महावीर पांड्या, कोषाध्यक्ष निर्मल सेठी, सहसचिव राजेन्द्र मंजू छारेड़ा, देवेंद्र चित्रा जैन, प्रकाश कांता पाटनी, रमेश गुणमाला गंगवाल, विनोद किरण झाँझरी, चंद्रप्रकाश चंदा छाबडा,चेतन रेखा जैन, प्रकाश रजनी कासलीवाल व श्रीमती रत्नप्रभा शाह ने कार्यक्रम में भाग लिया। संस्थान का मूल उद्देश्य धार्मिक पर्वों पर विद्वानों की व्यवस्था करना,जगह जगह धार्मिक शिक्षण प्रशिक्षण शिविर लगाना व संस्कारवत विद्वानों को तैयार करना है। संस्थान में श्री सुरेन्द्र पांड्या व सुशीला बड़जात्या ने अनिल जैन को माला पहनाकर जन्मदिन की बधाई व शुभकामनाएं दी। ग्रुप के सभी सदस्यों ने भी जन्मदिन पर बधाई , शुभकामनाएं दी। ग्रुप के सदस्यों के सहयोग से बालिका छात्रावास राशि रुपये 11000/- व छात्रों के छात्रावास में रुपये 15000/- कुल रुपये 26000/- राशि का सहयोग किया। अध्यक्षा सुशीला बड़जात्या ने संस्थान के कर्मचारियों को धन्यवाद व ग्रुप के सदस्यों का कार्यक्रम में सम्मिलित होने पर आभार प्रकट किया।

गुरु पूर्णिमा व ऋषिवर आदरणीय किरीट भाई जी का प्राकट्य दिवस धूमधाम से मनाया

मनीष पाटनी. शाबाश इंडिया

अजमेर। गुरु पूर्णिमा व ऋषिवर आदरणीय किरीट भाई जी का प्राकट्य दिवस धूमधाम से मनाया गया। अग्रवाल समाज अजमेर व श्री सीता गौशाला, पहाड़गंज अजमेर के तत्वाधान में 4 वर्ष से (14 अप्रैल 2020 से) भी अधिक समय से गौशाला व कबूतर शाला आदि जगह में चल रहे सेवाकार्यों के तहत आज 21 जुलाई रविवार को गुरु पूर्णिमा व ऋषिवर आदरणीय किरीट भाई जी के प्राकट्य दिवस के उपलक्ष में तुलसी सेवा संस्थान अजमेर की और से विष्णु प्रकाश गर्ग, गिरधारीलाल मंगल, दिनेश प्रणामी, कृष्णकांत शाह, मनीष पाटनी, श्रीमती रेणु पाटनी, सुरेश मंगल, प्रदीप शर्मा, अशोक टांक, गोपाल हरि गोयल, वीरेंद्र व प्रहलाद गुप्ता आदि ने अपने हाथों से श्री सीता गौशाला पहाड़गंज में 345 गौमाताओं को हरा चारा रिजका व गुड़ अर्पित किया। सेवा कार्य की इसी कड़ी में तुलसी सेवा संस्थान अजमेर की और से मूक बधिर विद्यालय अपना घर कोटडा में 105 विद्यार्थियों को भोजन प्रसादी भी कराई गयी ' अध्यक्ष ओम प्रकाश जी मंगल ने सभी का आभार प्रकट किया।

आर्यिका रत्न विजयमति माताजी ससंघ का चातुर्मास स्थापना महोत्सव हुआ सम्पन्न

फागी. शाबाश इंडिया। गणिनी आर्यिकारत्न श्री विशुद्ध मति माताजी की सुयोग्य शिष्या गणिनी आर्यिका रत्न विजयमति माताजी, क्षुल्लिका 105 श्री विश्वस्नेहाश्री माताजी ससंघ का पचेवर ग्राम की पावन धरा पर 40 वां पावन चातुर्मास 2024 का आज स्थापना महोत्सव हर्षोल्लास से सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने शिरकत करते हुए बताया कि उक्त कार्यक्रम में प्रातः आर्यिका श्री के पावन सानिध्य में संघस्थ बालब्रह्मचारिणी अल्पना दीदी के दिशा निर्देश में विधानाचार्य सुरेश शास्त्री निवाई के द्वारा विभिन्न मंत्रोच्चारणों के बीच श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन भवन का भव्य लोकार्पण समारोह सम्पन्न हुआ जिसके पुण्यार्जक श्रीमती पुष्पा देवी -प्रमोद कुमार , श्रीमती अमिता - पीयूष कुमार शाह परिवार पचेवर थे। कार्यक्रम में श्रीमती संतरा देवी -गोपाल लाल, श्रीमती अन्जना देवी -राकेश कुमार जी जैन अग्रवाल पचेवर निवासी ने झंडारोहण कर कार्यक्रम की शुरूआत की।

ब्लड डोनर रामलक्ष्मण मीणा को किया सम्मानित

बूंदी. शाबाश इंडिया

सामान्य चिकित्सालय बूंदी व संस्थापक रक्तदान जीवनदान टीम बूंदी के ब्लड डोनर रामलक्ष्मण मीणा नर्सिंग ऑफिसर को रक्तदान व सामाजिक क्षेत्र में कार्य करने पर राष्ट्रीय स्तर पर ऑल इंडिया ब्लड डोनर ट्रस्ट के द्वितीय स्थापना दिवस के अवसर पर 21 जुलाई 2024 को 'अखंड भारत रक्तवीर सम्मान' से सम्मानित किया गया। यह प्रोग्राम ऑल इंडिया ब्लड डोनर ट्रस्ट के पदाधिकारी कवि चौधरी, निखिल पाल, कुलदीप सैनी, अभिषेक सोनी आदि द्वारा इरिगेशन रिसर्च इंस्टीट्यूट रूड़की, हरिद्वार उत्तराखंड में आयोजित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि संजीव गोयल कारगिल योद्धा,नेपाल से पुष्पक चंद, वायु सेना से रिटायर्ड एस पी सैनी, गुजरात से शतकवीर महेंद्र क्रांति,सचिन गुप्ता, अहमदाबाद से रक्तदानी वैशाली पांडेया,जय भगवान सैनी ने भारत देश के अनेक रक्तवीरो को अखंड भारत रक्तवीर सम्मान से सम्मानित किया गया। इस प्रोग्राम का मुख्य उद्देश्य ब्लड की कमी को दूर करने के लिए रक्तदाताओं को मोटिवेट करके रक्तदान करवाना, रक्तदान शिविर लगवाना, एक्सीडेंट सुरक्षा, पर्यावरण सुरक्षा, बेजुबानों की सुरक्षा, वृक्षारोपण अन्य प्रकार की समाज सेवाओं के लिए आयोजित किया गया। ब्लड डोनर रामलक्ष्मण मीणा राजस्थान राज्य के बूंदी जिले के रहने वाले हैं जो सामान्य चिकित्सालय बूंदी में चिकित्सा सेवाएं दे रहे हैं इन सेवाओं के अलावा रामलक्ष्मण मीणा द्वारा रक्तदान के क्षेत्र और अन्य क्षेत्र में निःशुल्क सेवाये दे रहे हैं। इनकी सेवाओं को देखकर उत्तराखंड राज्य के जिला हरिद्वार में रुड़की शहर में ₹अखंड भारत रक्तवीर सम्मान₹ से सम्मानित किया गया।

गुरुभक्ति है सफलता का सोपान: श्री श्री रोहित गोपाल

चित्तौड़गढ़. शाबाश इंडिया

चित्तौड़गढ़ के मेंढकिया महादेव क्षेत्र में स्थित बद्रीनाथ धाम में रविवार को श्रद्धा व उल्लास के साथ गुरु पूर्णिमा महोत्सव मनाया गया। दिल्ली, मुंबई, मध्य प्रदेश, गुजरात व राजस्थान से पधारे शिष्यवृंद ने पूज्य गुरुदेव श्री श्री रोहित गोपाल सूतजी के चरण पखार कर उनका अभिनंदन किया। भक्तों अपने गुरुदेव शॉल, उपरना व श्रीफल भेंटकर उनका आशीर्वाद लिया। इस पावन अवसर पर मेवाड़ धर्म प्रमुख एवं चित्तौड़गढ़ धर्मांसद अधिकारी श्री श्री रोहित गोपाल सूत जी ने सर्वप्रथम शंकराचार्य भगवान स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के चरण कमल चिह्न का पूजन कर सत्संग आरंभ किया। श्री श्री रोहित गोपाल ने कहा कि गुरु का कृपा पात्र शिष्य सदैव उन्नति के सोपान पर आरूढ़ होता है। गुरु ज्ञान एवं गुरु कृपा के बिना तो साक्षात ब्रह्मा, विष्णु, महेश भी अधूरे हैं। गुरुदेव दया करके मुझको अपना लेना, मैं शरण पड़ा तेरी मुझको अपना लेना भजन पर झूमते हुए देशभर से पधारे श्रद्धालुओ आनंद के सागर में खूब गोते लगाए। सांध्यकालीन वेला में हुए हवन के दौरान भक्तों ने मंत्रोच्चार के बीच यज्ञ आहुतियां दीं। इस अवसर अशोक जिंदल, हरिओम गोयल, रतन सोमानी, आनंद खटोड़, ज्योति झंवर एवम् अशोक खींची भी उस्थित थे।

विद्याधरनगर में रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन

रक्तदान शिविर में 72 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ

जयपुर. शाबाश इंडिया

विद्याधर नगर में श्री श्याम महोत्सव सेवा समिति के समन्वय में मित्तल स्किन एंड कॉस्मेटिक क्लिनिक एवं लॉयन्स क्लब ग्रीन जयपुर द्वारा रक्तदाताओं को समर्पित रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।शिविर में 72 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष ओमप्रकाश मोदी ने रक्तदान की महता के बारे में बताया और आग्रह किया कि रक्त की कमी को दूर करने के लिए सभी को रक्तदान के लिए आगे आना चाहिए एवं स्वयं या किसी को प्रेरित कर के रक्तदान कराकर अपनी सामाजिक जिम्मेदारी को निभाना चाहिए । डॉ संजय मित्तल एवं अदिति मित्तल ने सभी रक्तदाताओं का आभार

जताया । डॉ सुनील धायल ने बताया कि इस अवसर पर लॉयन्स क्लब ग्रीन के अध्यक्ष रतन अग्रवाल,अमित कामदार, सुशांत गोयल, रवि अग्रवाल,सिद्धार्थ शर्मा, श्री श्याम महोत्सव सेवा समिति के ओम प्रकाश मोदी, पुरोषतम अग्रवाल,रेणुका देवड़ा, डॉ.के.के शर्मा, शिवकुमार जालान ,कमल मोदी , डॉ. सुनील धायल , देवेंद्र शर्मा ,नरेश जैन आदि उपस्थित रहे। शिविर उद्बोधन एवं संचालन अनीश निगम ने किया। शिविर में रक्त संग्रहण अग्रसेन ब्लड बैंक द्वारा किया गया।

जयपुर से श्री दिगम्बर जैन पदयात्रा संघ के तत्वावधान में धार्मिक स्थलों की ऐतिहासिक यात्रा 25 से 31जुलाई तक

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन पदयात्रा संघ जयपुर के तत्वावधान में 25 जुलाई 2024 से 31 जुलाई 2024 तक विभिन्न धार्मिक स्थलों पर दर्शनार्थ हेतु यात्रा संघ के संरक्षक सुभाष पांड्या के दिशा निर्देश में यात्रियों का दल जायेगा, कार्यक्रम में संरक्षक सुभाष पांड्या एवं मुख्य संयोजक अमर दीवान ने अवगत कराया कि यह यात्रा जयपुर से जहाजपुर, मंदसौर (बही पार्श्वनाथ),शीतल तीर्थ धाम रतलाम,मानतुगगिरी (धार),बावन गजा जी -उन (पांवागिरी), सनावद , सिद्धवरकूंट ,इन्दौर , बनेडिया जी,गोमम्टगिरी ,नवग्रह मंदिर,सुमतिनाथ धाम,ढाई द्वीप,,कांच का मंदिर, पुष्पगिरी, मक्सी पार्श्वनाथ, उज्जैन , तपोभूमि, सुसनेर, झालरापाटन, चांद खेडी, कोटा-रिवर फ्रंट जयपुर सहित अनेक धार्मिक स्थलों की यात्रा की जायेगी, कार्यक्रम में अनेक मुनिराजों के संघों का दर्शन करने का धर्म लाभ प्राप्त होगा, उक्त यात्रा ऐतिहासिक यात्रा की 13000/ रुपए प्रति व्यक्ति सहयोग राशि रखी गई है, उक्त यात्रा 2/2 एसी बसों से की जायेगी।

मोहनबाड़ी जैन मंदिर में मनाया गुरु पूर्णिमा उत्सव

जयपुर. शाबाश इंडिया

गलता गेट स्थित मोहनबाड़ी जैन मंदिर में मरुधर ज्योति परम पूज्य श्री मणिप्रभा श्रीजी महाराज साहब आदि ठाणा 23 के सानिध्य में गुरु पूर्णिमा महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस आयोजन में हजारों की संख्या में देशभर से श्रद्धालु जुटे और गुरु पूर्णिमा के कार्यक्रम में जुटे और गुरु के प्रति अपनी आस्था का जताया। संघ मंत्री देवेन्द्र कुमार मालू ने बताया कि इस मौके पर दादा गुरुदेव की बड़ी पूजा प्रारम्भ हुई। इस पूजा में बड़ी संख्या में भक्तगण उपस्थित रहे। पूजा में महामांगलिक प्रदाता रपम पूज्य आचार्य श्री विश्वरत्नसागरसुरीश्वर महाराज साहब भी पधारे। उन्होंने गुरु पूर्णिमा के अवसर पर गुरु के बारे में बताया। कार्यकारिणी के सदस्यों ने आचार्य श्री का केसर, अक्षत एवं नवरत्नों से हजारों की संख्या में जन समूह की उपस्थिति में गुरु को बधाया। अंकित लोढा ने अपनी भक्ति के माध्यम से हर्सोउल्लास का माहौल बना दिया। जिससे सभी नाचने-गाने लगे। इस अवसर पर महाराज साहब की साध्वियों ने भी इस अवसर पर गुरु की महिमा के बारे में बताया। गुरुवर्या श्री ने भी गुरु के गुणों के बारे में बताया। इस दौरान अंकित लोढ़ा ने एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुतियां भी दी। भजनों व पूजा से वातावरण भक्ति ओर उल्लास के रंग में डूब गया। सांस्कृतिक मंत्री राजकुमार बेगानी ने बताया कि अध्यक्ष प्रकाश चंद लोढा,सुशील मूसल सह मंत्री एवं खरतरगच्छ कार्यकारिणी के सदस्यों ने गुरूवर्या श्री को अक्षत एवं नवरत्नों से बधाया। साध्वी मंडल की सभी सुशिष्यायों ने गुरूवर्या श्री के चरणों मे आशीर्वाद प्राप्त किया।

चौमूं में सिद्ध चक्र महामंडल विधान का भव्य आयोजन

चौमूं. शाबाश इंडिया। सकल दिगंबर जैन समाज चौमूं के सानिध्य में सिद्ध चक्र महामंडल विधान का आयोजन सकल दिगंबर जैन समाज चौमूं के सानिध्य में बड़े ही धूम धाम से किया । जैन समाज प्रवक्ता पंकज बड़जात्या ने बताया कि चंद्र प्रभु दिगंबर जैन मंदिर जी में सिद्ध चक्र महामंडल विधान के अंतिम चरण तक 2040 अर्घ चढ़ाए गए। इसी कार्यक्रम के दौरान चौमूं के पूर्व विधायक रामलाल शर्मा का सकल दिगंबर जैन समाज के अध्यक्ष राजेंद्र जैन मंत्री राजेंद्र पत्नी वरिष्ठ नागरिक मोतीलाल जैन अनिल जैन सुरेश छाबड़ा अजय जैन द्वारा माला दुपट्टा पहना कर स्वागत किया गया। प्रतिष्ठाचार्य पं संनत कुमार का स्वागत रामलाल शर्मा द्वारा किया गया ।उन्होंने बताया कि इतना बड़ा विधान होना इतने बड़े विद्वान पंडित जी द्वारा नगर में विधान होना बड़े ही गर्व की बात है ।प्रातः अभिषेक शांति धारा का कार्यक्रम संपन्न हुआ शांति धारा करने का सौभाग्य कमल कुमार चिराग कुमार सौगानी को प्राप्त हुआ एवं महा आरती करने का सौभाग्य भागचंद राजेंद्र कुमार अशोक कुमार हीरालाल बड़जात्या को प्राप्त हुआ। बडजात्या ने बताया कि प्रातः 9 प्रतिमाओं को कमल के ऊपर विराजमान किया गया। जैन समाज अध्यक्ष राजेन्द्र जैन ने बताया कि सायंकाल महा आरती एवं भजन संध्या स्थानीय कलाकारों द्वारा कराया गया। मंत्री राजेंद्र पाटनी ने बताया कि आज प्रातः चल रहे विधान का अंतिम चरण में हवन कराया जाएगा। उसके बाद चौमूं में विशाल शोभा यात्रा का नगर भ्रमण होगा जिसमें भारी लवाजमे के साथ श्रीजी को रथ में बैठाकर सौधर्म इंद्र एवं कुबेर इंद्र एवं सारथी सभी इंद्र एवं अष्टकुमारी घोड़े बगिया गाड़ि के साथ जुलूस निकाला जाएगा। इन सभी कार्यक्रमों के दौरान जैन समाज के वरिष्ठ नागरिक मोतीलाल पापड़ीवाल पारसमल जैन सुरेश जैन महेश जैन नरेंद्र जैन सुरेंद्र जैन नितेश जैन दिनेश जैन ज्ञानचंद जैन रविता जैन संगीता जैन बबिता जैन शिल्पी जैन प्रभादेवी सुनीतादेवी काफी संख्या मे श्रावक श्राविकाएं मौजूद थी।

वैश्य महासम्मेलन शाहगढ़ जिला की प्रथम कार्यकारिणी की बैठक संपन्न

एक वृक्ष मां के नाम अवश्य लगाएंगे, सभी ने लिया संकल्प

मनीष विद्यार्थी सागर. शाबाश इंडिया

सागर। वैश्य महासम्मेलन जिला इकाई शाहगढ की प्रथम कार्यकारिणी की मीटिंग शीला पैलेस देवरी जिला सागर में संपन्न हुई। कार्यक्रम में मा. सुधीर अग्रवाल प्रदेश संगठन मंत्री,मा. निकेश गुप्ता प्रदेश महामंत्री, मुख्य अतिथि मा. गिरजेश सोनी संभागीय अध्यक्ष,डॉ नितिन जैन संभागीय अध्यक्ष युवा इकाई, कमल डेवडिया जिला प्रभारी, श्रीमती प्रीति पटवारी जिला अध्यक्ष महिला इकाई विशिष्ट अतिथि एवं अध्यक्षता निक्की बृजपुरिया जिला अध्यक्ष मंचासीन रहे। कार्यक्रम का संचालन मनीष शास्त्री विद्यार्थी जिला महामंत्री वैश्य महासम्मेलन एवं आभार जिला मीडिया प्रभारी प्रकाश अदावन ने माना। कार्यक्रम के प्रारंभ में मां सरस्वती के समक्ष दीपप्रज्वलन कर सामूहिक वैश्य गान के साथ बैठक प्रारंभ हुई। मंचासीन अतिथियों के सम्मान समस्त तहसीलों से आए वैश्य महासम्मेलन अध्यक्ष एवं युवा इकाई के अध्यक्षों द्वारा किया गया। वैश्य महासम्मेलन की आवश्यकता क्यों पड़ी इस विषय पर श्रीमती प्रीति पटवारी केसली , संदीप जैन देवरी, संतोष सराफ वण्डा, संजय चौरसिया देवरी, विनीत जैन एवं कमल डेवडिया शाहगढ ने अपने विचार रखें सभी ने वैश्य महासम्मेलन की वैनर ताले वैश्य समाज को जागृत करने एवं वैश्य हितों के लिए कार्य कर, समाज को प्रगति के पद पर स्थापित करने का लक्ष्य हम सभी का है और हम संकल्पित हैं कि यह कार्य कर समाज उत्थान मैं हम सहभागी बनेंगे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि निकेश गुप्ता ने कहा अगर वैश्य समाज को जगाना हैं तो हमें हमारी सदस्य संख्या बढ़ाना होगी और लोगों को जागृत करने का कार्य करना होगा। प्रदेश संगठन मंत्री मा. सुधीर अग्रवाल ने कहा की वैश्य महासम्मेलन द्वारा भोपाल मध्य प्रदेश में विशाल वैश्य भवन का निर्माण किया जा रहा है और वह पूरे प्रदेश के वैश्य बन्धुयों को जोड़कर प्रदेश की वैश्य समाज का सफल संचालन करेगा, हमें महासम्मेलन को गांव- गांव तक पहुंचना है।

चातुर्मास 2024 ध्वजारोहण के साथ हुआ आगाज

मुनि अनुसरणसागर महाराज के मंगल प्रवेश में उमड़े श्रद्धालु

चातुर्मास के शुभारंभ पर हुए अनेक धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम

विमल जोला. शाबाश इंडिया

निवाई। मुनि अनुसरणसागर महाराज का रविवार को सुबह गाजे-बाजे के साथ मंगल प्रवेश हुआ जिसमें सैंकडों श्रद्धालुओं का सैलाब उमड पडा। चातुर्मास कमेठी के अध्यक्ष सुनिल भाणजा एवं मीडिया प्रभारी विमल जौंला राकेश संधी ने बताया कि मुनि अनुसरण सागर महाराज का विशाल जुलुस के साथ गाजे-बाजे से मंगल प्रवेश हुआ। उन्होंने बताया कि मंगल प्रवेश का जुलुस पहाडी चुंगी नाके से रवाना हुआ। इस दौरान धर्म प्रभावना महिला मण्डल, जिन श्री महिला मण्डल, णमोकार महिला मण्डल, विशुद्ध वर्धनी महिला मण्डल, शांतिनाथ एवं शांतिसागर पाठशाला के बालक बालिकाओं, पारसनाथ महिला मण्डल जिनवाणी महिला मण्डल द्वारा रजत थालियों पर जयकारों से पादप्रक्षालन एवं आरती करके स्वागत किया। कार्यक्रम के तहत सभी महिलाओं ने रंगोली सजायी। उन्होंने बताया कि मुनिश्री का जुलूस वैयरहाउस बसन्त कालोनी से रवाना होकर बस स्टैंड होता हुआ तहसील रोड पर स्थित श्री दिगम्बर जैन बडा मंदिर पहुंचा जहां कमेटी द्वारा पादप्रक्षालन कर स्वागत किया। जुलुस बडा बाजर होता हुआ बंपुई वालो की धर्मशाला पहुंचा, वहां पर सरावगी समाज के अध्यक्ष शिखरचंद काला विमल पाटनी राकेश संधी अजीत काला महावीर प्रसाद छाबड़ा हितेश छाबड़ा सुनील भाणजा ने अगुवानी की। जहां मुनिश्री ने भगवान चंद्र प्रभु के दर्शन किए। जुलुस में घोडा, बग्गी, बेंड बाजा, महिला जयघोष निवाई एवं चमत्कार जी सवाईमाधोपुर महिला जयघोष, शाही लवाजमा, पुष्पक विमान से पुष्प वर्षा की गई, जगह-जगह स्वागत द्वार लगाए गए। मीडिया प्रभारी विमल जौंला एवं राकेश संघी ने बताया कि जुलुस में जगह-जगह पर श्रद्धालुओं द्वारा महाराज का पादपक्षालन किया गया। अहिंसा सर्किल होते हुए अग्रवाल मंदिर पहुंचा। जहां पर मुनि अनुसरणसागर महाराज के सानिध्य में श्रद्धालु दिनेश जैन, मुकेश जैन, हेमा जैन बनेठा द्वारा चातुर्मास का ध्वजारोहण करके शुभारंभ किया गया। उन्होंने बताया कि मुनि अनुसरण सागर महाराज के 2024 चातुर्मास कार्यक्रम में मंगल कलश स्थापना, गुरु पूर्णिमा महोत्सव, वीर शासन जयन्ती, पर्युषण महापर्व, अष्टान्हिका महापर्व, रोठ तीज, धूप सुगंध दशमी, क्षमावाणी पर्व, पिच्छिका परिवर्तन समारोह व चातुर्मास निष्ठापन सहित कई धार्मिक आयोजन किए जाएंगे। इस अवसर पर सुशील आरामशीन, विष्णु बोहरा, महावीर प्रसाद पराणा महावीर प्रसाद माधोराजपुरा सुनील भाणजा, हितेश छाबड़ा, सुशील गिन्दोडी, पवन बोहरा, योगेन्द्र जैन, हर्षित संघी, हेमंत चंवरिया, मनीष जैन, नवरत्न जैन, दिनेश जैन, अजीत काला, संजय जैन, मनोज पाटनी शिखरचंद काला प्रदीप माधोराजपुरा प्रेमचंद सोगानी महावीर प्रसाद छाबड़ा हेमचंद संधी राकेश कठमाणा मनन दतवास राजेन्द्र सांवलिया शुभम सांवलिया अरविंद जैन सहित कई श्रद्धालु मौजूद थे।

जैन इंजीनियर सोसायटी जयपुर चैपटर नार्थ का वृक्षारोपण

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन इंजीनियर सोसायटी जयपुर चैपटर नार्थ ने गुरु पूर्णिमा के उपलक्ष मे वृक्षारोपण का कार्यक्रम एक पौधा देश के नाम, एक पौधा मां के नाम, एक पौधा पिता के नाम, एक-एक पौधा बच्चों के नाम का आयोजन आदर्श विद्या मंदिर सांगानेर जयपुर मे रविवार दिनांक 21जुलाई 2024 को किया। जेइस जयपुर चैपटर नार्थ के सचिव इंजीनियर पवन पाटनी ने अवगत करवाया कि सर्वप्रथम विद्यालय की छात्राओं द्वारा प्रार्थना की गई व जैन इंजीनियर सोसायटी के पदाधिकारियों ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। तत्पश्चात विद्यालय की प्रधानाचार्य श्रीमती रेणु शर्मा, पदाधिकारियों व संरक्षक ने जैन इंजीनियर सोसायटी के अध्यक्ष, संस्थापक अध्यक्ष, सचिव कोषाध्यक्षे व सदस्यों का माला तथो दुपट्टा पहनाकर सम्मान व स्वागत किया। जैन इंजीनियर सोसायटी के संस्थापक अध्यक्ष इंजीनियरे अखिलेश जैन,अध्यक्ष इंजीनियर आर.के.जैन ने उपस्थित सभा को संबोधन किया तथा जैन इंजीनियर सोसायटी के कार्य जिसमें सोलर पावर व वाटर हार्वेस्टिंग के संदंभ मे अवगत करवाया ।वृक्षारोपण की उपयोगिता व संरक्षण के संदंभ मे सभी उपस्थित छात्र व छात्राओं को जानकारी दी। विद्यालय की प्रधानाचार्य श्रीमती रेणु शर्मा व संरक्षक ने विद्यालय की उपलब्धियों की जानकारी दी। गुरु पूर्णिमा के उपलक्ष मे जैन इंजीनियर सोसायटी जयपुर नार्थ के पदाधिकारियों द्वारा सभी शिक्षकों व छात्रा का माला तथा दुपट्टा आदि से सम्मानित किया। सचिव इंजीनियर पवन पाटनी, कोषाध्यक्ष इंजीनियर अजित जैन व कार्यकारिणी सदस्य इंजीनियर के. सी. जैने प्रोफेसर इंजीनियर वी के जैन व इंजीनियर विकास जैन व अन्य सदस्यों ने कार्यक्रम मै अपना पूर्ण सहयोग प्रदान किया। तथा पूर्व अध्यक्ष इंजीनियर अनिल शाह व इनजीनियर अभिषेक जैन ने वृक्षारोपण के लिए पौधे का भी सहयोग किया। तत्पश्चात सभी ने वृक्षारोपण किया तथा जलपान ग्रहण किया अतं मे कार्यक्रम की संयोजिका इंजीनियर अलका जैन ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

गुरु पूर्णिमा पर भव्य आयोजन हुआ दुर्गापुरा जैन मंदिर में

मुनि श्री का चातुर्मास कलश स्थापना समारोह होगा 25 जुलाई को

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन मंदिर चन्द्रप्रभ जी दुर्गापुरा जयपुर में संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महा मुनिराज के परम शिष्य मुनि श्री 108 पावन सागर जी महाराज एवं मुनि श्री 108 सुभद्र सागर जी महाराज के सानिध्य में प्रातः 8.30 बजे गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर मंगल प्रवचन से पूर्व मांगलिक क्रियाएं सम्पन्न हुई। ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रकाश चन्द चांदवाड़ एवं मंत्री राजेन्द्र काला ने बताया कि गुरुवर के पाद प्रक्षालन विमल कुमार पुष्पा गंगवाल परिवार, शास्त्र भेंट रमेश चन्द मनोरमा भोंच परिवार ने कर पुण्यार्जन प्राप्त किया। मंगलाचरण महावीर प्रसाद बाकलीवाल, भगवान चन्द्रप्रभ जी के व संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महा मुनिराज के चित्र का अनावरण दीप प्रज्वलन हुकुम चन्द बाकलीवाल व पवन लुहाड़िया ने ट्रस्ट के सदस्यों के साथ किया। विद्यासागर पाठशाला के बच्चों ने गुरुवर की अष्ट द्रव्य से पूजा की। मंच संचालन अजीत शास्त्री ने किया। श्री 108 पावनसागर जी महाराज ने प्रवचन में बताया कि सम्यग्दर्शन प्राप्त करने के लिए सच्चे देव की आराधना करनी चाहिए। सच्चा देव वीतरागी,सर्वज्ञ हितोपदेशी होता है। जिनवाणी स्तुति की गई। प्रतिदिन प्रातः 8.30 बजे प्रवचन हो रहे हैं। चातुर्मास मंगल कलश स्थापना गुरुवार दिनांक 25 जुलाई को दोपहर 1 बजे से होगी।

इंदौर के इतिहास में पहला चातुर्मास, जहां मानव चिकित्सा, शिक्षा हेतु कलश स्थापना की राशि का 10 प्रतिशत समर्पित किया जाएगा: अंतमुर्खी मुनि श्री पूज्यसागरजी

इंदौर. शाबाश इंडिया

प्रकृति के सौंदर्य रूप में रिमझिम फुहार व कही मूसलाधार बारिश के साथ प्राचीन ऐतिहासिक श्रमण परंपरा के आचार्य भगवन के अनुसार 4 माह के पवित्र पावन दिन चातुर्मास वर्षा योग का समय श्रवण परंपरा श्रावकों के साथ आत्म कल्याण की शुद्धि के लिए तप, ध्यान, त्याग, साधना, आराधना करते हैं उसी परंपरा को संस्कार-संस्कृति के साथ आगे बढ़ाते हुए अंतमुर्खी मुनिश्री 108 पूज्य सागर जी गुरुवर ने इंदौर स्थित नवग्रह जिनालय ग्रेटरबाबा में श्रावक-श्राविकाओं के मध्य सकारात्मक भावो को लेकर आज चातुर्मास कलश स्थापना की। धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने बताया कि आयोजन में गुरु देव ने सर्वप्रथम घोषणा करते हुए कहा की वषायोग के बाहुबली कलशो से जो भी धन राशी आयेंगी उसका 10 प्रतिशत हिस्सा स्वास्थ, चिकित्सा व शिक्षा को समर्पित होगा। जिसकी राशी कार्यक्रम के मध्य श्रवणबेलगोला तीर्थ क्षेत्र पर अस्पताल के लिए चेक के माध्यम से समर्पित भी कर दी गई।समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने बताया कि पूज्य वषायोग 2024 में सर्वप्रथम ध्वजारोहण आर के जैन-रानेका इंडस्ट्री, जितेन्द्र जैन के द्वारा गुरुदेव का 17वा चातुर्मास मंगल कलश स्थापना की शुरूआत हुई। इस अवसर पर गुरुदेव ने सभी को सम्बोधित करते हुए कहा की जीवन में पैसो से भोग-विलास की वस्तुए खरीदी जा सकती है परन्तु पुण्य देव शास्त्र गुरु की आराधना से ही मिलता है। जिस प्रकार हमारे घर में प्रत्येक सदस्यों के लिए अलग-अलग वाहन व कमरे होते है उसी प्रकार प्रत्येक परिजनों के लिए अपना-अपना पुण्य का संचय स्वयं ही करना पड़ता है। मंदिर में अपनी कमाई का 25 प्रतिशत अवश्य दान करना चाहिए। भगवान को ना देकर उनका खाना हमे नर्क व तिर्यंच गति की ओर ले जाता है।

वीरशासन जयंती क्यों मनाते हैं?

आज दुर्गापुरा के सीनियर श्रावकों के द्वारा किया जा रहा नन्दीश्वर द्वीप विधान पूरी 52पूंजायें हो जाने पर सम्पन्न हो गया। इस अवसर पर श्रावक श्रेष्ठी डां.एम.एल जैन ''मणि'' ने श्रावकों को बताया कि कल वीरशासन जयंती है,और हमें इसके महत्व को जानना चाहिए। श्रावकों की उत्सुकता पर उन्होंने बताया कि आज से पच्चीस सो छांसठ वर्ष पूर्व राजगिरी के विपुलाचल पर्वत पर समवशरण में श्रावण कृष्णा प्रतिपदा के दिन भगवान महावीर की प्रथम दिव्य ध्वनी खिरी थी, इसीलिए इस दिन का विशेष महत्व है और इस को 'वीरशासन जयंती' के रुप में मनाते हैं। क्योंकि इससे पूर्व भगवान पार्श्वनाथ का शासन चल रहा था व उस दिन से भगवान महावीर का शासन चल रहा है,ओर यह पंचमकाल के अन्त तक वीरांगज नाम के अंतिम मुनीराज के समय तक चलेगा। इसलिए इस वीरशासन जयंती को जैन पर्व के नाम से मनाते हैं।वीरशासन जयंती वृत की तिथी भी यही है।इसी दिन भगवान महावीर के प्रथम गंणधर गौतम स्वामी ने द्वादशांग की रचना की थी अथवा ग्यारह अंग व चौदह पूर्वों की रचना की थी। महावीर ने दीक्षा लेने के बाद मौन वृत धारण कर लिया था।बारह वर्ष तप के बाद ऋजुकुला नदी के तट पर केवल ज्ञान प्राप्त किया।उसी समय इन्द्र की आज्ञा से कुबेर ने समवशरण की रचना की। लेकिन 66दिन तक भगवान की वाणी नहीं खिरी। इन्द्र ने अवधिज्ञान से जाना कि यंहा गणधर का अभाव है। गणधर की योग्यता इन्द्रभूति गौतम में थी।उसने अपने 500शिष्यों सहित समवशरण में गये।उसने जैनेश्वरी दिक्षा ले ली और महावीर स्वामी की स्तुति की। उन्हें गणधर पद की प्राप्ती हुईऔर वे प्रथम गंणधर कहलाये।उसी समय 18महाभाषा व 700 लघुभाषा में दिव्यध्वनि खिरने लगी और इस तरह गौतम स्वामी ने द्वादशांक जिनवाणी की रचना की। वीरशासन का अर्थः आनन्द बांटने वाला शासन, अलिखित सिद्धांत, आत्मानुशासन, भक्त नहीं भगवान बनाने वाला शासन, सब भगवान बन सकते हैं,स्वाधीन करने वाला शासन, सत्य बताने वाला शासन, बंदिश नहीं,मुक्त करने वाला,स्वतंत्रता दशार्ने वाला शासन, दुखी नहीं,सुखी करने वाला शासन, किसी का बनाया नहीं,बताया मार्ग है,वीरों का शासन, कायरों का नहीं,सर्वोदयी शासन, अहिंसा को दशार्ने वाला शासन। इस प्रकार सभी को वीरशासन जयंती से अनेक प्रेरणा मिलती है। .....जय महावीर......

समाज सेवा के लिए जयपुर निवासी पदम जैन बिलाला को आचार्य शांति सागर राष्ट्रीय पुरस्कार से किया सम्मानित

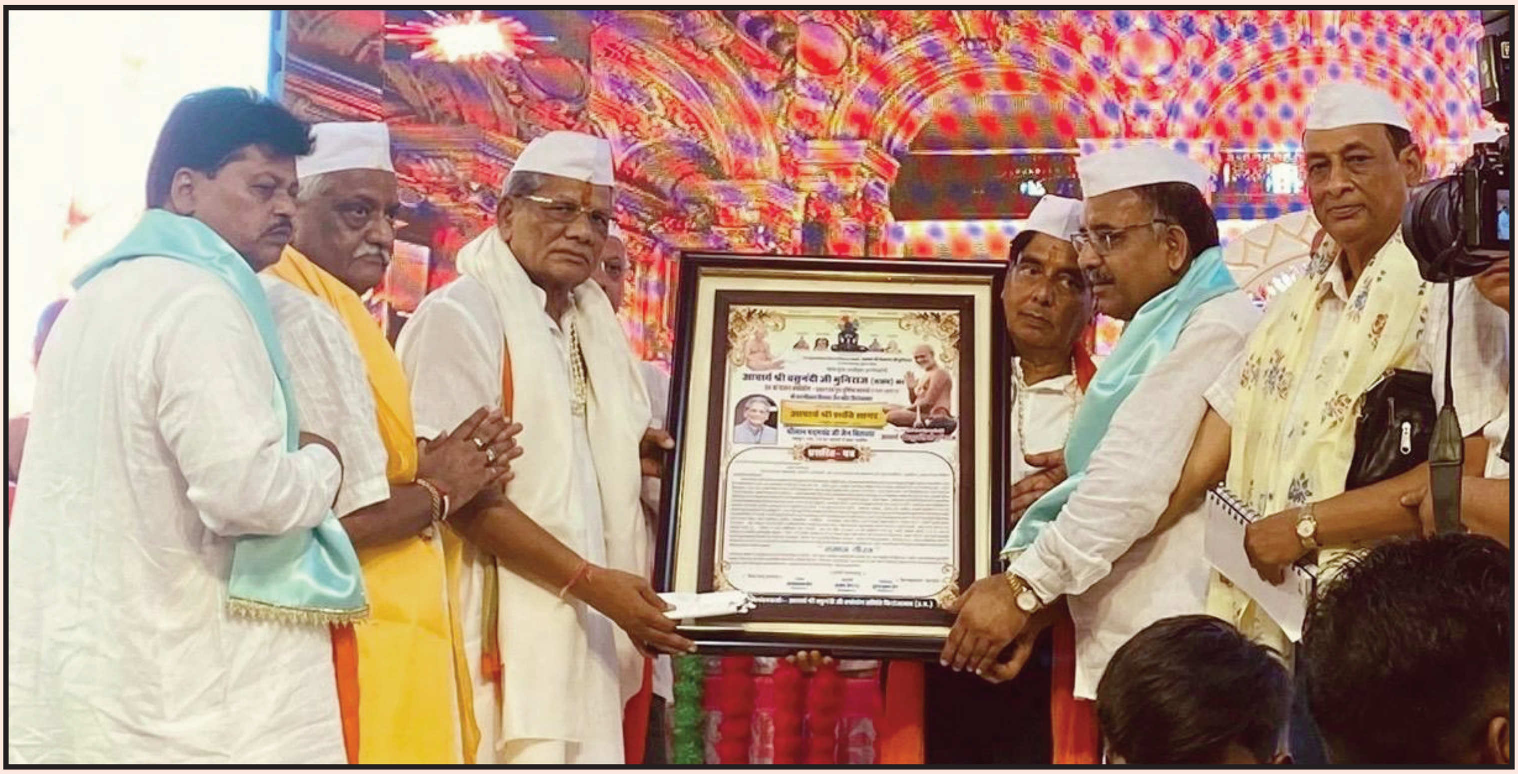

पदम जैन बिलाला ने समाज सेवा के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त कर समस्त जयपुर जैन समाज को किया गौरान्वित

जयपुर. शाबाश इंडिया

आचार्य पदारोहण शताब्दी महोत्सव वर्ष के अन्तर्गत प्रतिष्ठित आचार्य श्री शान्तिसागर राष्ट्रीय पुरस्कार समाज सेवा के उपलक्ष्य में जयपुर के पदम जैन बिलाला को गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर परम पूज्य आचार्य वसुनंदी जी महामुनिराज के पावन सानिध्य में कांच की नगरी फि रोजाबाद में श्री दिगंबर जैन परिषद तथा वसुनंदी चातुर्मास समिति फिरोजाबाद द्वारा चातुर्मास कलश स्थापना समारोह में विशेष रूप से सम्मानित किया गया। इसके पूर्व धर्म जागृति संस्थान राजस्थान ने भक्ति के साथ आचार्य श्री को श्री फल भेंट किया। धर्म जागृति संस्थान के राष्ट्रीय प्रचार मंत्री संजय जैन बड़जात्या कामां एवं महामंत्री सुनील पहाड़िया ने बताया कि परम मुनि भक्त व समाज सेवी पदम जैन बिलाला वर्तमान में जनकपुरी जैन मंदिर के अध्यक्ष , धर्म जागृति संस्थान के प्रांतीय अध्यक्ष सहित बहुत सी धार्मिक व सामाजिक संस्थाओं से निस्वार्थ सेवा भाव से जुड़े हुए है। साधु संतों के विहार आदि के समय पुलिस सुरक्षा तथा गुरु आज्ञानुरूप अहिंसक आहार के प्रचार प्रसार का महत्व पूर्ण कार्य किया है। पूरे देश के अलावा जयपुर से गये सैकडो जन समुदाय की गरिमा मय उपस्थिति में सम्मान में तिलक माला दुपट्टा सॉल व प्रशस्ति पत्र एवं नगद राशि 21000/- रुपये प्रदान किया गया। बिलाला जी ने पुरुस्कार राशि वापस निर्ग्रंथ ग्रंथ माला समिति में प्रदत्त कर उदारता का परिचय दिया। प. मनोज शास्त्री द्वारा प्रशस्ति पत्र का वाचन किया गया बिलाला ने आचार्य श्री, परिवार , एवं प्रिय सहयोगियों के प्रति कृतज्ञता जाहिर करते हुए कहा कि गुरुओं के आशीष व सहयोगियों के सहयोग से ही यह सब सम्भव हो सका है।

जैन श्रद्धालुओं ने मनाया गुरु पूर्णिमा महोत्सव

मुनि प्रणम्य सागर महाराज पहुंचे महावीर नगर दिगम्बर जैन मंदिर। सोमवार को विशाल जुलूस के साथ मीरा मार्ग के श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में करेंगे भव्य मंगल प्रवेश

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन धर्मावलंबियों द्वारा रविवार, 21 जुलाई को गुरु पूर्णिमा पर्व भक्ति भाव से मनाया गया। इस मौके पर श्रद्धालुओं द्वारा शहर में विराजमान दिगम्बर जैन संतों के चातुर्मास स्थलों एवं मंदिरों में पूजा अर्चना के विशेष आयोजन किए जाकर गुरुओं से आशीर्वाद लिया गया। राजस्थान जैन युवा महासभा के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन 'कोटखावदा' के अनुसार गुरु पूर्णिमा पर्व के उपलक्ष्य में शहर के विभिन्न चातुर्मास स्थलों पर दिन भर श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही। साधु संतों द्वारा विशेष प्रवचनों में गुरु की महिमा पर प्रकाश डाला गया। विनोद जैन कोटखावदा के मुताबिक मुख्य आयोजन भट्टारक जी की नसियां में हुआ। अर्हम योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में गुरु पूर्णिमा पर्व मनाया गया। इस मौके पर सीमा जैन गाजियाबाद द्वारा मंगलाचरण के बाद आचार्य विद्या सागर महाराज एवं भगवान आदिनाथ के चित्र के अनावरण के बाद दीप प्रज्जवलन किया गया। तत्पश्चात मुनि प्रणम्य सागर महाराज का पाद पक्षालन किया गया एवं समाज के गणमान्य श्रेष्ठीजनों द्वारा श्री फल भेट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। मुनि भक्त मनीष चौधरी एवं संगीतकार नरेन्द्र जैन के निर्देशन में आचार्य विद्यासागर महामुनिराज की एवं मुनि प्रणम्य सागर महाराज की अष्ट द्रव्य से नाचते गाते संगीतमय पूजा की गई। आचार्य समय सागर महाराज का अर्घ्य चढाया गया इस मौके पर सुधांशु कासलीवाल, एस के जैन, नन्द किशोर पहाड़िया, सुभाष चन्द जैन, प्रमोद पहाड़िया, राजीव जैन गाजियाबाद, प्रदीप जैन, विनोद जैन कोटखावदा, मनीष बैद, कमल बाबू जैन, सुनील बख्शी, दर्शन बाकलीवाल, आलोक जैन, विजय दीवान, विराट दीवान, मनीष चौधरी, संजय पाण्डया, भारतभूषण जैन सहित बडी संख्या में उपस्थित गणमान्य श्रेष्ठीजनों ने श्रीफल भेट कर मुनि संघ से आशीर्वाद प्राप्त किया। मुनि श्री ने अपने प्रवचन में भगवान महावीर का दृष्टान्त सुनाते हुए गुरु पूर्णिमा के महत्व पर प्रकाश डाला। समाज की विभिन्न संस्थाओं की ओर से आठ प्रतिमा धारी डी सी जैन, मीरा मार्ग के श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर के अध्यक्ष सुशील पहाड़िया एवं मंत्री राजेन्द्र सेठी का मुनि संघ के खजुराहो से जयपुर तक के विहार में योगदान के लिए सम्मान किया गया। मंच संचालन राजीव जैन गाजियाबाद, मनीष बैद, मनीष चौधरी, सीमा जैन, शालिनी बाकलीवाल ने किया। जैन के मुताबिक प्रताप नगर सैक्टर 8 के दिगंबर जैन मंदिर में उपाध्याय ऊर्जन्तसागर महाराज, दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पदमपुरा बाड़ा में मुनि महिमा सागर महाराज ससंघ, झोटवाडा के श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में आचार्य शशांक सागर महाराज ससंघ, अग्रवाल फार्म स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर थड़ी मार्केट में उपाध्याय वृषभानन्द महाराज, कीर्ति नगर के श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में मुनि समत्व सागर, मुनि शील सागर महाराज, दुर्गापुरा के श्री चन्द्रप्रभु दिगम्बर जैन मंदिर में मुनि पावन सागर महाराज ससंघ, बरकतनगर के णमोकार भवन में मुनि अर्चित सागर महाराज, दहमीकला के श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में आचार्य नवीन नन्दी महाराज, बीलवा के नांगल्या स्थित विमल परिसर में गणिनी आर्यिका 105 नंगमति माताजी के सानिध्य में रविवार को प्रातः गुरु पूर्णिमा के विशेष आयोजन किए गए।

कीर्तिनगर में मुनि समत्व सागर महाराज से हुआ भव्य मंगल मिलन - मिलन का अद्भुत दृश्य देखने उमड़ा जन सैलाब

जयपुर। मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ सायंकाल 6. 00 बजे भट्टारक जी की नसियां से मंगल विहार कर टौक रोड पर कीर्तिनगर कमल एण्ड कम्पनी के बाहर पहुचे जहां पर मुनि समत्व सागर महाराज ससंघ से भव्य मिलन हुआ। इस मौके पर वातावरण भक्तिमय हो गया व जैन धर्म के जयकारों से आसमान गुंजायमान हो उठा। तत्पश्चात मुनि श्री विहार करते हुए महावीर नगर दिगम्बर जैन मंदिर पहुचे जहां मंदिर कमेटी द्वारा भव्य अगवानी की गई। मुनि श्री प्रणम्य सागर महाराज ससंघ का रात्रि विश्राम महावीर नगर दिगम्बर जैन भवन में हुआ। मीरा मार्ग के श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर के अध्यक्ष सुशील पहाड़िया एवं मंत्री राजेन्द्र सेठी ने बताया कि सोमवार 22 जुलाई को प्रातः 6.30 बजे मुनि श्री ससंघ विशाल जुलूस के साथ महावीर नगर से रवाना होकर गायत्री नगर, विजयपथ चौराहा, मध्यम मार्ग होते हुए मीरा मार्ग के श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर पहुचेंगे । विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि मंदिर दर्शन के बाद आदिनाथ भवन में मुनि संघ के सानिध्य में धर्म सभा होगी तथा इस मौके पर वीर शासन जयन्ती मनाई जाएगी ।

वृक्षारोपण कार्यक्रम सम्पन्न

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। निकटवर्ती ग्राम नांदला स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय में रविवार को नवोदय हरित राजस्थान महाअभियान के तहत नवोदय ऊर्जा सोसायटी राजस्थान एवं पूर्व छात्र काउंसिल के संयुक्त तत्वाधान में वृक्षारोपण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के उप प्राचार्य हरदयाल मीणा एवं पूर्व छात्र काउंसिल के सदस्यों द्वारा जिला वन अधिकारी सुगनाराम जाट का स्वागत कर किया। इस अवसर पर पूर्व छात्र संघ के सदस्य ब्रह्मा नारायण, सुरेश प्रजापति, अशोक कुमार मीणा, राजेंद्र कुमार, रामरतन चौधरी, राजकुमार, सोहनलाल चौधरी सहित काफी संख्या में पूर्व छात्र संघ सदस्य उपस्थित थे। जिला वन अधिकारी सुगनाराम जाट ने छात्र-छात्राओं को आधुनिक जीवन में वृक्षों की बढ़ती भूमिका के बारे में अवगत कराया और लगाए गए वृक्षों की जिम्मेदारी सौंपी।

दो मुनि संघों का टौक रोड पर कीर्तिनगर के बाहर हुआ भव्य मिलन

जयपुर। आचार्य विद्यासागर महामुनिराज के परम प्रभावक शिष्य अर्हम योग प्रणेता मुनि श्री प्रणम्य सागर महाराज ससंघ एवं आचार्य विशुद्ध सागर महाराज के शिष्य मुनि समत्व सागर महाराज, मुनि शील सागर महाराज का भव्य मिलन हुआ। इस मौके पर हजारों की संख्या में जैन बन्धु जयकारे लगाते हुए शामिल हुए।

कैंसर जांच एवं जागरूकता मुहिम के लिए समाजसेवी श्रीमती अनिला कोठारी सम्मानित

जयपुर. शाबाश इंडिया

भगवान महावीर कैंसर हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर की वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं कैंसर केयर की अध्यक्षा श्रीमती अनिला कोठारी को पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद द्वारा सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें कैंसर जागरूकता और कैंसर की रोकथाम के क्षेत्र में उनकी सेवाओं के लिए दिया गया। महावीर इंटरनेशनल एपेक्स के दिल्ली में आयोजित स्वर्ण जयंती शुभारंभ पर आयोजित राष्ट्रीय समारोह के दौरान यह पुरस्कार दिया गया। समारोह के विशिष्ट अतिथि इंटरनेशनल वैश्य फेडरेशन के प्रेसिडेंट एवं सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के मेंबर डॉ अशोक अग्रवाल , आईसीएमआर के डायरेक्टर जनरल(सेनि) डॉ बलराम भार्गव और महावीर इंटरनेशनल एपेक्स के अंतरराष्ट्रीय वीर अनिल जैन ने कैंसर जागरूकता की दिशा में अनिला कोठारी की ओर से किए जा रहे कार्यों की सराहना की। समारोह में देशभर से तीन समाजसेवी को यह सम्मान दिया गया। अनिला कोठारी ने बताया कि पिछले 27 वर्षों में हमने देखा है कि चिकित्सालय आने वाले अधिकांश रोगी एडवांस स्टेज (रोग की बढ़ी हुई अवस्था) में पहुंचते है। ऐसे में रोगी के उपचार का खर्च दोगुना तक बढ़ जाता है और कैंसर मुक्त होने की संभावना भी बहुत कम रह जाती है। जागरूकता की कमी और जांच सुविधाओं के अभाव के चलते अत्यधिक वेदना के साथ रोगी चिकित्सालय पहुंचते है। कैंसर के बारे में लोगों में जागरूकता लाने, समय पर रोग की पहचान करने और कम खर्च में रोगी को कैंसर मुक्त करने के लिए एक बड़ी मुहिम ''कैंसर जांच आपके द्वार'' अभियान की शुरूआत जनवरी 2023 चिकित्सालय एवं कैंसर केयर की ओर से की गई। यह कैंसर जांच एवं जागरूकता का अभियान है, जिसके तहत राजस्थान के सभी जिलों में षिविरों का आयोजन निःशुल्क किया जा रहा है। अभियान को जन-जन तक पहुंचाने के लिए विभिन्न सामाजिक सस्थानों, संगठनों, समुदायों को इस अभियान से जोड़ा जा रहा है, जिससे वह आमजन को इस अभियान के बारे में सूचित कर सकें और ज्यादा से ज्यादा संख्या में लोग इसका लाभ लें सकें। इस अभियान के तहत अब तक 12 जिलों में (जयपुर, सीकर, झुंझुनू, नीम का थाना, कोटपूतली, तिजारा, अलवर, दौसा, कोटा, बूंदी, झालावाड़, और सवाई माधोपुर) 18 हजारों से ज्यादा लोगों स्क्रीन करने के साथ ही जागरूक कर चुके हैं।

वीर शासन जयन्ती आज

मंदिरों में गूंजेगे भगवान महावीर के जयकारे

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन धर्मावलम्बी सोमवार, 22 जुलाई को वीर शासन जयन्ती पर्व मनाएंगे। इस मौके पर शहर में चातुर्मास स्थलों एवं मंदिरों में विशेष आयोजन होगें। राजस्थान जैन युवा महासभा के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन 'कोटखावदा' के अनुसार वीर शासन जयन्ती पर्व के उपलक्ष्य में शहर के विभिन्न जैन मंदिरों में संगोष्ठिया होगी। साधु संतों द्वारा भगवान महावीर के उपदेशों पर विशेष प्रवचन दिया जायेगा। जैन के मुताबिक जैन धर्म के 24 वे तीर्थंकर भगवान महावीर को वैशाख शुक्ला दशमी को केवल ज्ञान प्राप्त हुआ था लेकिन उस समय ज्ञान ग्रहण करने वाला कोई उचित श्रोता या शिष्य पात्र नहीं होने के कारण जैन धर्म के अन्य 23 तीर्थंकरों की भांति उस दिन भगवान महावीर की वाणी नहीं खिरी अर्थात उस दिन भगवान महावीर ने कोई उपदेश नहीं दिया। 66 दिवस पश्चात श्रावण कृष्णा एकम्को राजगिरी में भगवान महावीर का समोवशरण लगा तो उसमें उपदेश को ग्रहण करने वाले उचित पात्र (श्रोता/शिष्य) गौतम गणधर उपस्थित थे। गौतम गणधर को भगवान महावीर ने अपने ज्ञान से पहचान लिया एवं उसी समय भगवान की वाणी खिर गई अर्थात उन्होंने उपदेश देना प्रारंभ कर दिया। और इसीलिए यह दिन भगवान महावीर के उपदेशों के महत्व को दशाती है। इसी दिन से वीर शासन जयन्ती मनाना शुरू हो गया। जैन धर्मावलंबियों द्वारा हर साल श्रावण कृष्णा प्रतिपदा (एकम्) को यह पर्व पूरे देश में भक्ति भाव से मनाया जाता है। श्री जैन के मुताबिक भगवान महावीर के अहिंसा, ब्रह्मचर्य, सत्य, अपरिग्रह, स्यादवाद्, अनेकान्तवाद इत्यादि सिद्धांत आज भी पूरे विश्व के लिए अनुकरणीय है। इस दिन संगोष्ठिया, विशेष प्रवचन इत्यादि के आयोजन किये जाते हैं। श्री जैन के मुताबिक जयपुर में मुख्य आयोजन राजस्थान जैन सभा जयपुर के तत्वावधान में कीर्तिनगर के श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में मुनि समत्व सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में प्रातः 7.30 बजे से होगा । मीरा मार्ग के श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन भवन में मुनि

प्रणम्य सागर महाराज ससंघ, दुगार्पुरा के श्री चन्द्र प्रभू दिगम्बर जैन मंदिर में पावन सागर महाराज ससंघ, दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पदमपुरा बाड़ा में मुनि महिमा सागर महाराज ससंघ , बरकतनगर के णमोकार भवन में मुनि श्री अर्चित सागर, बीलवा के नांगल्या स्थित विमल परिसर में गणिनी आर्यिका 105 नंगमति माताजी, झोटवाड़ा के श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में आचार्य शशांक सागर महाराज ससंघ,प्रतापनगर के सैक्टर 8 स्थित श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में उपाध्याय उर्जयन्त सागर महाराज, अग्रवाल फार्म स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर कांच वाला में उपाध्याय वृषभानन्द महाराज, दहमीकलां के श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में आचार्य नवीन नन्दी महाराज के सानिध्य में सोमवार, 22 जुलाई को प्रातः वीर शासन जयन्ती के विशेष आयोजन होगें।

गुरु पूर्णिमा एवं श्रावण मास के पावन अवसर पर कलशयात्रा निकली

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। गुरु पूर्णिमा एवं श्रावण मास के पावन उपलक्ष पर असंख्यात्मक पार्थव (काली मिट्टी) के शिवलिंग निर्माण, अभिषेक एवं श्रीमद् भक्तमाला कथा आयोजन से पूर्व रविवार को महिलाओं की कलशयात्रा निकाली गई। कलशयात्रा कथावाचक संतोष शरण शास्त्री (रसिक जी महाराज) के नेतृत्व में बैंड-बाजों के साथ सुभाषगंज अनाज मंडी से प्रारंभ होकर नगर के मुख्य मार्गो से होती हुई कथास्थल रामचंद्र धर्मशाला पहुंचकर संपन्न हुई। सोमवार से दोपहर 2:30 बजे से सायं 5:30 बजे तक कथावाचक रसिक जी महाराज कथावाचन करेंगे। वही कथा के दौरान प्रतिदिन प्रातः 6:30 बजे से 8:30 बजे तक शिवलिंग निर्माण तत्पश्चात अभिषेक होगा।